RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शनिवार, 12 सितंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 172 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मोदी-पुतिन बैठक की बैठक में वैश्विक राजनीतिक मुद्दों पर हुई चर्चा

पुतिन भारत की अध्यक्षता में आज से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां पहुंचे हैं

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की जिसमें दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की और वैश्विक एवं भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की जिसमें यूक्रेन युद्ध, काला सागर क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हमले एवं भारतीय नाविकों की सुरक्षा के मुद्दे भी शामिल थे। पुतिन भारत की अध्यक्षता में कल से शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज तड़के यहां पहुंचे हैं और वह तीन दिन की यात्रा पर आये हैं। भारत मंडपम में अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे हुई इस मुलाकात के बारे में विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल गतिशीलता और लोगों के बीच आपसी संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी "इनोप्रोम इंडिया" का स्वागत किया, जो पहली बार भारत में 9-11 सितंबर 2026 को आयोजित की गई और व्यापार तथा औद्योगिक संबंधों को और बढ़ाने में इसके महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने इनोप्रोम इंडिया प्रदर्शनी का दौरा भी किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। विदेश मंत्रालय के अनुसार नेताओं ने बहुपक्षीय क्षेत्र में भारत-रूस जुड़ाव, विशेष रूप से 2026 में भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स के संदर्भ में, विचारों का आदान-प्रदान किया।

मोदी ने पुतिन को भेंट किया तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें महान तमिल कवि, दार्शनिक एवं संत तिरुवल्लुवर की अमर कृति तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया। मोदी ने कहा कि यह पुस्तक महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान परंपरा को भाषा और भौगोलिक सीमाओं के पार पहुंचाती है। भारत मंडपम में हुई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और विभिन्न द्विपक्षीय एवं साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक का वीडियो साझा करते हुए तिरुक्कुरल के रूसी अनुवाद को पुतिन को भेंट किए जाने की जानकारी दी। राष्ट्रपति पुतिन को तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया, जो तिरुवल्लुवर के ज्ञान को भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे पहुंचाता है।

बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को सुलझाने का सही तरीका: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्षों को सुलझाने का सही तरीका है और भारत शांति प्रयासों में सहायता के लिए तैयार है। दोनों नेता दोनों देशों के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझीदारी' को और मजबूत करने के प्रयासों को आगे बढ़ाते रहने पर सहमत हुए और उन्होंने माना कि इस साझीदारी में लगातार महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है और इसने भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूती दिखाई है। प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की इस साल यह दूसरी मुलाकात थी। दोनों नेता इससे पहले 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान मिले थे।

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से पश्चिम एशिया पर चर्चा की,

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियान ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में हाल की घटनाओं पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने भारत के इस लगातार रुख को दोहराया कि सभी मुद्दों को बातचीत और कूटनीति के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने, नेविगेशन और व्यापार की आजादी की रक्षा करने और समुद्री यात्रियों की सुरक्षा एवं भलाई के लिए लगातार कोशिशों की जरूरत पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियान से मुलाकात की। दो हफ़्ते से भी कम समय में दोनों नेताओं की यह दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले वे 31 अगस्त को बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान मिले थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स सहित कई देशों वाले संगठनों में आपसी हित के मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच लगातार सहयोग की सराहना की।

मोदी और यूएन महासचिव की मुलाकात, सुरक्षा परिषद सहित बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार पर जोर

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने बहुध्रुवीयता (मल्टीपोलैरिटी) के महत्व और मौजूदा वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस ने चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें जारी संघर्ष और नेविगेशन की स्वतंत्रता, सतत विकास, मानव-केंद्रित एआई, नवीकरणीय ऊर्जा में प्रगति और वैश्विक खाद्य सुरक्षा शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस को उनके कार्यकाल के शेष समय के लिए शुभकामनाएं दीं।

ब्रिक्स ने जी-7 को पीछे छोड़ा, वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भी बढ़ी हिस्सेदारी: रूसी राष्ट्रपति पुतिन

नई दिल्ली/एजेंसी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स और जी-7 के बीच आर्थिक प्रदर्शन की तुलना करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि जी-7 की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही। इसी अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में ब्रिक्स का योगदान आधे से अधिक रहा।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा कई बार प्रतिबंधों, परिवहन मार्गों में बाधा और अन्य दबावों का रूप ले रही है। इसके बावजूद ब्रिक्स देशों के बीच व्यावसायिक सहयोग और निवेश वैश्विक आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत और लचीला बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में आर्थिक वृद्धि के पुराने केंद्रों की जगह नए विकास केंद्र ले रहे हैं। इसका प्रमुख कारण ब्रिक्स देशों की बड़ी आबादी और उनके गतिशील घरेलू बाजार हैं।

पुतिन ने कहा कि रूस पर 30 हजार से अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह दुनिया के अन्य सभी देशों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कुल संख्या से करीब दोगुने हैं। इसके बावजूद रूस ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत किया और विश्वसनीय साझेदारों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाए।

पिछले तीन वर्षों में रूस की आर्थिक वृद्धि विश्व औसत से अधिक रही। रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, 2023-24 में रूस की अर्थव्यवस्था में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बेरोजगारी दर घटकर रिकॉर्ड 2.3 प्रतिशत रह गई।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

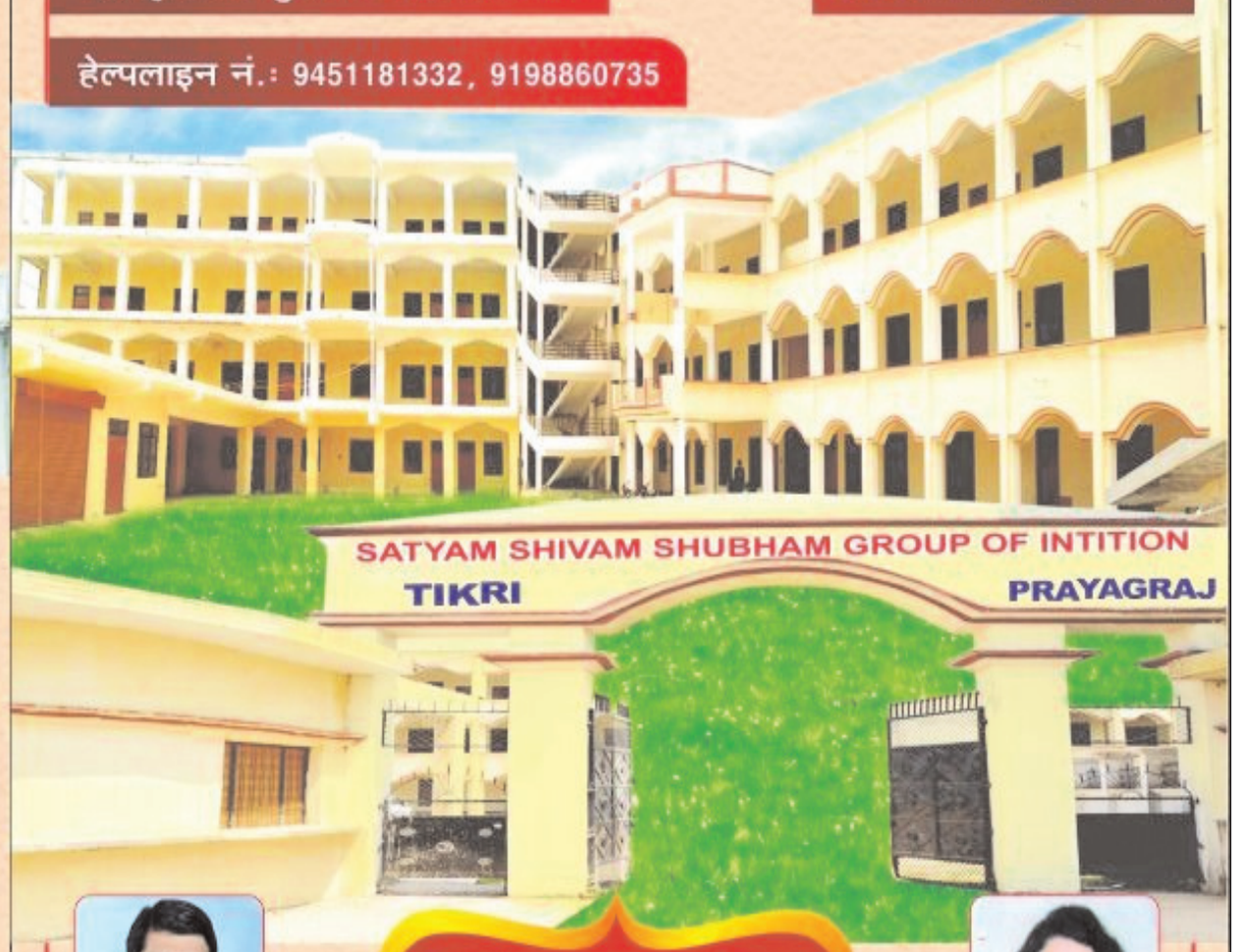

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

संगठन में समय समय पर पद दायित्व और व्यवस्थाएं बदलती रहती है - रमेश सिंह

2027 के विधानसभा चुनाव में में 2017 से भी बड़ी जीत दिलानी है

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। संगठन के भीतर पुराने और वरिष्ठ कार्यकताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण है काशी क्षेत्र में आयोजित होने वाले सभी पार्टी कार्यक्रमों और अभियानों में पुराने कार्यकताओं को भी वर्तमान पदाधिकारियों के समान ही पूरी भागीदारी और जिम्मेदारी दी जाएगी।

संगठन में समय-समय पर पद, दायित्व और व्यवस्थाएं बदलती रहती हैं जिम्मेदारी मिल जाने से व्यक्ति को स्वयं को दूसरों से बड़ा या श्रेष्ठ नहीं मान लेना चाहिए। पद केवल व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने का एक साधन है आज पार्टी जिस मजबूत स्थिति में है, उसकी नींव उन्हीं पुराने कार्यकताओं के त्याग और परिश्रम पर टिकी है जो संघर्ष करते रहे लाठी खाई जेल गए अगले पांच महीने सभी काम छोड़ कर केवल कमल का फूल याद रखिए मोदी और योगी बनकर काम करिए 2027 में 2017 से भी बड़ी जीत दिलानी है यह बातें प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी काशी क्षेत्र भाजपा रमेश सिंह ने भाजपा गंगापार द्वारा आयोजित संगठन एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि नव नियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी काशी क्षेत्र रमेश सिंह का प्रयागराज के प्रथम आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला

पासवान के नेतृत्व उनका भव्य स्वागत किया गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई अध्यक्षता जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान व संचालन जिला महामंत्री अनिरुद्ध सिंह पटेल ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्या जिला प्रभारी उत्तर मौर्या, सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल,विधायक फूलपुर दीपक पटेल,विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्या, एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय, उपाध्यक्ष काशी क्षेत्र सुनील पटेल,डीसीएफ चेयरमैन अजय पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल पांडेय, अश्वनी द्विवेदी, सुबोध सिंह, जिलाध्यक्ष जमुनापार राजेश शुक्ला जिला महामंत्री मनोज निषाद, संतोष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी, अमरजीत कुशवाहा, तुलसी राम सरोज, महेश पांडेय, जिला मंत्री सुशील त्रिपाठी,राजू पाल,कुंवर मृगेंद्र सिंह, आशीष प्रजापति, नवीन सिंह पटेल,विमलेश पटेल, आशीष केसरवानी, अरुण मिश्रा,संजय द्विवेदी, लक्ष्मी कांत उपाध्याय,गीता सिंह,आत्मधर दुबे, प्रभाकर दुबे परेवहा आशीष भारतीय, विजय पटेल, प्रकाश त्रिपाठी, राम पलट पटेल रूपम त्रिपाठी लता विश्वकर्मा संगीता पटेल, पवन गुप्ता, दीपक परासर, दीपक त्रिपाठी, देवेंद्र गिरी, शिवबाबू मोदनवाल, महेश माली, अमरेश मिश्रा,सहित सभी जिला पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में कार्यकता मौजूद रहे।

पुलिस के प्रयास से दो परिवार साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यू मांगलिक के कुशल निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन, जनपद फतेहपुर में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में शुक्रवार को काउंसलर श्रीमती कविता रस्तोगी जी द्वारा 2 प्रकरण में समझौता कराया गया व सहयोगार्थ हे0 का0 अकील अहमद व म0आ0 शिप्रा पाठक मौजूद रहीं।

एसपी ने परेड की ली सलामी, पुलिस कर्मियों की लगवाई दौड़

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड, जनपद फतेहपुर में शुक्रवार साप्ताहिक परेड की सलामी ली गई तथा परेड का विधिवत निरीक्षण किया गया। परेड में जनपद के विभिन्न थानों के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण, यातायात शाखा तथा पुलिस लाइन में नियुक्त पुलिसकर्मी सम्मिलित रहे।

पुलिस कर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखने हेतु दौड़ कराई गई। परेड के दौरान अनुशासन एवं एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से कराई जा रही टोलीवार ड्रिल को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

परेड के उपरांत एसपी द्वारा पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्द , डॉग स्क्वाड ,कैंटीन, वर्दी स्टोर, आवासीय कॉलोनी, परिवहन शाखा, यूपी-112 शाखा तथा पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा अर्दली रूम में गार्ड कमांडर रजिस्टर सहित विभिन्न अभिलेखों का गहनता से अवलोकन किया गया तथा अर्दली रूम के दौरान विवेचकों की पेशी ली गई। लंबित विवेचनाओं के संबंध में विवेचकों को शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने, विवेचनाओं में पूर्ण पारदर्शिता बरतने तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने हेतु कड़े दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पिपरी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा
कौशांबी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा चोरी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त मिलन यादव पुत्र बच्चा लाल निवासी चायल थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

थाना करारी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त बृजनाथ पुत्र रामऔतार पासी निवासी बैसकांटी थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर घायल, गिरफ्तार

जाफरगंज पुलिस ने तमंचा, कारतूस और खोखा किया बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जाफरगंज पुलिस ने गुरुवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त को घायल कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अमित कुमार उर्फ टेनी पुत्र स्व. अच्छेलाल, निवासी ग्राम डिघरुवा, थाना जाफरगंज के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, जाफरगंज पुलिस टीम 10/11 सितंबर की रात संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग तथा वांछित अपराधियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित इनामी अभियुक्त रुसिया रोड, ग्राम डिघरुवा के पास मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

कुछ देर बाद एक व्यक्ति पैदल पुलिस टीम की ओर आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा टॉर्च की रोशनी में उसे रुकने के लिए कहा गया, लेकिन पुलिस को देखकर वह सड़क से नीचे उतरकर भागने लगा। पुलिस टीम ने उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। पुलिस का आरोप है कि इसके बावजूद अभियुक्त ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस के मुताबिक, जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उपचार के लिए

पुलिस अभिरक्षा में सीएचसी बिंदकी भेजा।

घटनास्थल की फील्ड यूनिट टीम ने जांच कर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे/घटनास्थल से 315 बोर का एक अवैध देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, अमित कुमार उर्फ टेनी थाना जाफरगंज का हिस्ट्रीशीटर है और मुकदमा अपराध संख्या 134/2026 में धारा 115(2), 191(2), 351(2), 121(1), 132 और 352 बीएनएस के तहत वांछित था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। मामले में पुलिस मुठभेड़ के संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 152/2026, धारा 109(1) बीएनएस तथा 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चलती ट्रेन की चपेट में आने से यात्री को बचाने वाले जीआरपी जवान को डीजीपी रेलवे ने किया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज
आगरा/लखनऊ। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर यात्री की जान बचाने वाले जीआरपी के तीन पुलिसकर्मियों को पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस सम्मान के जरिए पुलिसकर्मियों के साहस, तत्परता और मानवीय कार्य की सराहना की गई।

घटना 9 सितंबर 2026 की है। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-5 पर साबरमती एक्सप्रेस के पहुंचने के दौरान एक यात्री का पैर ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गया। पैर फंसने के कारण यात्री चलती ट्रेन की चपेट में आकर रेलवे ट्रैक की ओर खिंचने लगा।

प्लेटफार्म ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक अंकुज धामा, मुख्य आरक्षी सत्येंद्र सिंह और आरक्षी लवकुश ने बिना समय गंवाए अदम्य साहस और तत्परता का परिचय देते हुए यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। उनकी सूझबूझ और साहस से यात्री की जान बच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने भी जीआरपी जवानों के इस कार्य की जमकर सराहना की थी।

पुलिसकर्मियों के इस सराहनीय एवं मानवीय कार्य के लिए 11 सितंबर 2026 को जीआरपी मुख्यालय, लखनऊ में पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया।

सीडीओ ने की सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित योजनाओं/ इंडीकेटर्स की प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने आज उदयन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न योजनाओं/इंडीकेटर्स की प्रगति की समीक्षा की।

मुख्य विकास अधिकारी ने समीक्षा के दौरान योजनाओं/इंडीकेटर्स- प्रोजेक्ट अलंकार, खराब ट्रांसफार्मर, 108 एम्बुलेंस सेवा, जननी सुरक्षा योजना, जल जीवन मिशन, फैमिली आई.डी., व्यक्तिगत शौचालय, सेतुओं का निर्माण तथा नई सड़कों का निर्माण में अपेक्षित प्रगति/ बी, सी या डी श्रेणी में पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं की नियमित मॉनीटरिंग करते हुए कमियों को तत्काल दूर किया जाए तथा इंडीकेटर्स की रैंकिंग में सुधार लाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए निर्देश दिए।

तालाब में मछली मारने गया किशोर डूबा, मौत

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के चौराडीह गांव में शुक्रवार को करीब दो बजे कई किशोर तालाब में मछली मारने गए थे इसी दौरान एक किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में डूब गया है किशोर की तालाब में डूबने से मौत हो गई उसके साथ मौजूद अन्य किशोर मौके से भाग आए हैं और मौजूद अन्य किशोरो के बयान में विरोध है हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर मौके पर रोते बिलखते परिवार के लोग पहुंच गए हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से किशोर के शव को तालाब से बाहर निकाल कर पीएम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक चौराडीह गांव निवासी अखिलेश कुमार उम्र लगभग 13 वर्ष पुत्र रामलाल शुक्रवार की शाम 4:00 बजे अपने दो तीन अन्य साथियों के साथ गांव के बाहर स्थित तालाब मे मछली का शिकार करने गया था तालाब में मछली का शिकार करने के दौरान अखिलेश कुमार संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब के गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई है साथ में मौजूद अन्य साथी घटना के बाद मौके से फरार हो गए हैं किशोर के तालाब में डूबने की जानकारी मिलते ही रोते बिलखते परिवार के लोग भी ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हैं मामले की सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस है ग्रामीणों के सहयोग से किशोर को तालाब से बाहर निकाला है तब तक देर हो चुकी थी उसकी मौत हो गई है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तालाब में डूबने से किशोर की मौत के मामले में मछली मारने गए अन्य किशोर का पुलिस द्वारा बयान लिए जाने के बाद ही किशोर की मौत की हकीकत सामने आएगी बताते हैं कि अखिलेश का पिता रामलाल मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके चार बेटों में अखिलेश कुमार सबसे छोटा था और कक्षा पांच का छात्र था।मासूम बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

संदीपन घाट में महिलाओं-बालिकाओं को नए कानून और साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना पुलिस ने शुक्रवार को ग्राम कुरई में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को नए कानून, साइबर अपराध और मिशन शक्ति अभियान के प्रति जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक,अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में आयोजित अभियान में महिला पुलिसकर्मियों ने ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।

उपनिरीक्षक सुनीता गोयल, महिला हेड कांस्टेबल पूनम वर्मा, महिला कांस्टेबल स्मिता पांडेय एवं कांस्टेबल निर्माण गुप्ता ने महिलाओं और बालिकाओं को साइबर ठगी से बचने,संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने तथा किसी भी अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की।इस दौरान 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन और 181 महिला हेल्पलाइन सहित थाना के सीयूजी नंबर की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं से किसी भी परेशानी या अपराध की स्थिति में बिना संकोच हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील की।

गैंगस्टर में वांछित 15 हजार रुपये का इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को थाना शिकारपुर पुलिस व स्वाट टीम द्वारा गैंगस्टर में वांछित 15 हजार रुपये के पुरस्कार घोषित अभियुक्त को शिकारपुर बाईपास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त थाना शिकारपुर पर पंजीकृत गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बुलन्दशहर द्वारा 15 हजार रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता
विवेक पुत्र धर्मपाल वत्स निवासी रामनगर कालौनी मौसमगढ थाना कोतवाली देहात जनपद बुलन्दशहर ।

विद्युत पावर हाउस के लाइनमैन भोला यादव की हत्या में दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा

विद्युत पावर हाउस के स्टोर रूम में करोड़ों के घोटाले में शामिल लोगों ने भोला यादव को उतारा था मौत के घाट

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कादीराबाद गांव निवासी भोला यादव मंझनपुर पावर हाउस के स्टोर रूम में लाइनमैन के पद पर काम कर रहे थे। 22 अप्रैल 2011 की रात में भोला यादव बाइक से अपने गांव जा रहे थे। जैसे ही समदा गांव के आगे बढ़े बाइक सवार दो लोगों ने उनकी हत्या कर दी थी। मामले में मंझनपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेजा। जेल गए आरोपियों को अदालत से जमानत मिल गई।मुकदमे की सुनवाई 15 वर्षों तक अदालत में चली। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी सोमेश्वर कुमार तिवारी ने 15 गवाह पेश किया और हत्या के दोषियों को कठोर से कठोर सजा दिए जाने की मांग की। गवाहों के बयान और पत्रावली पर उपलब्ध सबूत के बाद जिला जज ने चिरांगू उर्फ मनीष जायसवाल पुत्र अशर्फीलाल निवासी कोर्रो कोतवाली मंझनपुर वा सुरेश पासी पुत्र राम लखन निवासी मांगरोहनी कोतवाली मंझनपुर को भोला यादव की हत्या का दोषी पाया और दोनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मुकदमे की सुनवाई के दौरान हत्या का दोष सिद्ध दोनों दोषियों पर अदालत ने दस - दस हजार रूपए का अर्थ दंड भी लगाया है। भोला यादव की हत्या से पीड़ित उनकी पत्नी ने अदालत के फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि उन्हें 15 वर्षों बाद अदालत से न्याय मिला है।

हाईवे किनारे नीम के पेड़ से लटकता मिला अज्ञात युवक का शव

सबसे तेज प्रयागराज
लालगोपालगंज, प्रयागराज। लालगोपालगंज चौकी क्षेत्र के गढ़वा अखैराज गांव के सामने हाईवे किनारे शुक्रवार को एक करीब 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव नीम के पेड़ से लटकता मिला। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, युवक के गले में उसके पहने हुए लोअर के कपड़े से बना फंदा लगा हुआ था, जिसके सहारे उसका शव नीम के पेड़ से लटक रहा था। राहगीरों और ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया। शाम तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही चल सकेगा।

अपराध समीक्षा गोष्ठी में एसपी ने दिए सख्त निर्देश, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक ने गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में जनपद के पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी की। इस दौरान उन्होंने गैंगस्टर एक्ट, गंभीर अपराधों, संपत्ति संबंधी मामलों तथा लंबे समय से लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

गोष्ठी में गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत जब्तीकरण की कार्रवाई तथा गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अलावा थानों में पंजीकृत फर्जी जमानतदारों से संबंधित अभियोगों

में अब तक की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली गई।

एसपी ने दुर्घटना से संबंधित उन मामलों की समीक्षा की, जिनमें गलत तरीके से अंतिम रिपोर्ट (सीएस) लगाई गई थी।

साथ ही संज्ञान में आने के बाद पंजीकृत किए गए अभियोगों में हुई विवेचनात्मक कार्रवाई तथा दुर्घटना एवं अन्य मामलों में गठित एसआईटी से संबंधित अभियोगों की भी समीक्षा की गई।

संपत्ति संबंधी अपराधों में लूट, चोरी, नकबजनी और झपट्टामारी के ऐसे मामलों, जिनका अभी तक अनावरण नहीं हो सका है, को शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए गए। हत्या, गंभीर चोट, जान से मारने के उद्देश्य से हमला और सदोष मानव वध जैसे शरीर संबंधी अपराधों के लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई।

इसके साथ ही लंबे समय से अनावश्यक रूप से प्रचलित एसआर पत्रावलियों, डी-60/90 कालबाधित अभियोगों तथा गंभीर अपराधों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी की स्थिति पर भी चर्चा हुई। पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश एसपी ने दिए।

गोष्ठी में ई-सम्मन, ई-साक्ष्य, जमानत कवच, सुरक्षा नेत्र, सीएसए/एफआर, मेडिकोलीगल/पीएम, सीईआईआर, सीएम डैशबोर्ड, सीसीटीएनएस, यक्ष गांडीव (नेटग्रिड), त्रिनेत्र, एनसीआरपी और डीसीआरबी डिजिटल पोर्टल समेत विभिन्न एप व पोर्टल पर की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान सैनिक सम्मेलन का आयोजन कर पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनी गईं। एसपी ने समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक, सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे।

पर्यटन, विकास के कई महत्वपूर्ण कार्य ने दी नई पहचान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पर्यटन विभाग द्वारा विगत वर्षों में जनपद के विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, पर्यटन स्थलों के विकास, सुंदरीकरण तथा पर्यटक सुविधाओं के विस्तार के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य कराए गए हैं।

धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन

प्रयागराज में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ?13,142.51 लाख की कुल धनराशि से विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पर्यटन विकास एवं सुंदरीकरण के कार्य कराए गए। इसके अंतर्गत 12 माधव एवं परिक्रमा पथ पर आने वाले मंदिर स्थलों पर मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं का विकास, भैरव बाबा मंदिर मेहबाचा, नैनी का पर्यटन विकास एवं सुंदरीकरण, श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क फेज-1 एवं फेज-2 का निर्माण तथा भगवान श्रीराम एवं निषादराज गुह्य के गले मिलते हुए 51 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का निर्माण कराया गया।

इसी क्रम में दलतपुर स्थित शिव मंदिर, दशाश्वमेध मंदिर, दारागंज, द्वादश माधव मंदिर, पाण्डेश्वरनाथ धाम मंदिर, भारद्वाज आश्रम, मंकामेश्वर मंदिर, लालापुर, प्राचीन विजय हनुमान मंदिर, दुवार्सा आश्रम, पगला नन्द आश्रम, प्राचीन हनुमान मंदिर औता, प्राचीन शिव मंदिर पहाड़पुर, शूलटंकेश्वर मंदिर अरैल, श्रृंगवेरपुर धाम के ग्राम सिंघसौर में थीमेटिक गेट, गंगोली शिवालय मंदिर, वेणी माधव मंदिर, माता कल्याणी मंदिर बौड़ई, फूलपुर, राघवेन्द्र मंदिर, कोटेश्वर महादेव मंदिर, कल्याणी देवी मंदिर, बरखंडी महादेव मंदिर सैदपुर, तक्षक तीर्थ मंदिर दरियाबाद, लाक्षागृह, श्रृंगवेरपुर धाम में चार शौचालयों का जीर्णोद्धार, निषादराज पार्क में म्यूरल आर्ट, निषादराज पार्क हेतु पार्किंग, शहीद रोशन सिंह स्मारक का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण तथा नर्मदेश्वर शिव मंदिर मेजा, नींवाआदि स्थलों पर पर्यटन विकास एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराए गए। इन विकास कार्यों के माध्यम से धार्मिक स्थलों पर मूलभूत एवं आवश्यक पर्यटक सुविधाओं का विस्तार हुआ तथा इन स्थलों का स्वरूप अधिक आकर्षक एवं सुविधायुक्त बना।

इससे श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों पर बेहतर सुविधाएं प्राप्त होने के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी प्रयागराज के धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों की ओर आकर्षण बढ़ा है।

फसाड लाइटिंग के माध्यम से धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का सुंदरीकरण

प्रयागराज के प्रमुख धार्मिक, पर्यटन एवं हेरिटेज स्थलों को रात्रि के समय भी आकर्षक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से 2,708.81 लाख रुपए की धनराशि से आधुनिक फसाड लाइटिंग के कार्य कराए गए।

इसके अंतर्गत नागवासुकी मंदिर, शक्तिपीठ अलोपी देवी मंदिर, श्रृंगवेरपुर धाम स्थित श्रृंगी ऋषि आश्रम, शंकर विमान मंडपम मंदिर, म्योहाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नैनी ब्रिज, शास्त्री ब्रिज तथा सिविल लाइंस स्थित हनुमान मंदिर पर फसाड लाइटिंग एवं सुंदरीकरण के कार्य किए गए। इन कार्यों से प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों की रात्रिकालीन छटा में विशेष वृद्धि हुई है। प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से इन स्थलों को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया, जिससे रात्रिकालीन पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिला और प्रयागराज के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की सुंदरता पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षण का केन्द्र बनी है।

इको पर्यटन के विकास ने भरी ऊंची उड़ान

प्रकृति आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ?499.87 लाखकी धनराशि से मेजा स्थित कृष्ण मृग आरक्षित क्षेत्रमें इको पार्क एवं पर्यटक सुविधाओं के विकास का कार्य कराया गया।

पर्यटकों के लिए बेहतर आवासीय सुविधाओं का विकास- जनपद में आने वाले पर्यटकों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ?736.50 लाख की धनराशि से पर्यटन निगम की पर्यटन इकाइयों का उन्नयन कराया गया। इसके अंतर्गत होटल राही इलावर्त एवं होटल त्रिवेणी दर्शन का उच्चीकरण किया गया।

साथ ही क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय के उच्चीकरण का कार्य कराकर प्रशासनिक कार्यों एवं पर्यटक सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया गया।

प्रचार-प्रसार एवं पर्यटन जागरूकता- पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच और उनके बारे में जानकारी को बढ़ाने के लिए जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साइनेज की व्यवस्था की गई। साथ ही प्रिंट मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जनपद के प्रमुख पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया गया। युवा पर्यटन क्लब के अंतर्गत विद्यालयों के बच्चों के लिए पर्यटन दिवस के अवसर पर भ्रमण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

इन प्रयासों से नई पीढ़ी को जनपद की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत से परिचित कराने तथा पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायता मिली।

पर्यटन से जुड़े हितधारकों का प्रशिक्षण- महाकुम्भ-2025 को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन से जुड़े प्रमुख हितधारकों जैसे टूरिस्ट गाइड, टैक्सी ड्राइवर, नाविक एवं बोटमैन आदि को पर्यटन के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पर्यटन नीति-2022 के माध्यम से निवेश को प्रोत्साहन- उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए उद्यमियों के साथ संवाद स्थापित किया गया। इसके परिणाम स्वरूप जनपद प्रयागराज में कुल 1,52,332.70 लाख का निवेश प्राप्त किया गया। इस निवेश से जनपद में पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता एवं पर्यटन आधारित आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

वर्तमान में कराए जा रहे पर्यटन विकास कार्य-वर्तमान समय में भी पर्यटन विभाग द्वारा 1,699.97 लाखकी धनराशि से जनपद के विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें इंद्री धाम मंदिर, जमुनीपुर, फूलपुर, दुर्गा मंदिर देवी धाम, पंचदेवरा, सोरांव, फलाहारी बाबा मंदिर, करछना, भद्रेश्वर महादेव मंदिर, मंदाहे माफी, प्राचीन शिवाला मंदिर, घीनपुर, अति प्राचीन भोलेगिरि मंदिर, श्री बजरंग आश्रम मंदिर, देवली, हंडिया, प्राचीन बोलन महादेव मंदिर, महादेव भेलनाथ मंदिर, हंडिया-बरौत, गीता निकेतन मंदिर, अलोपीबाग, शंकर जी मंदिर, सुभाष कोरांव तथा प्राचीन मंदिर पथरबन्धी महादेवालय, छिंडी, विकास खण्ड जसरा शामिल हैं।

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से संबंधित पर्यटन स्थलों परश्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है तथा श्रद्धालुओं/पर्यटकों को विभिन्न आवश्यक पर्यटन सुविधाएं भी उपलब्ध हो रही हैं।

जीआरपी पुलिस ने मोबाइल चोर को पकडा़

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरूण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 सुधीर कुमार प्रभारी चौकी नैनी थाना जीआरपी प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज नैनी जं0 के प्लेटफार्म नं. 04 के गेट नं. 1 (निकास द्वार) के रैम्प के पास समय करीब 13.02 बजे एक शातिर चोर अजय कुमार उर्फ अजय बाबू रेलवे स्टेशन प्रयागराज नैनी जं0 के प्लेटफार्म नं. 04 के गेट नं. 1 (निकास द्वार) के रैम्प के पास चोरी व छिनैती की घटनाओ को कारित करता है, को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की एक अदद मोबाईल बरामद किया गया।

सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित सांसद प्रवीण पटेल का भाजपा कार्यकताओं ने किया भव्य अभिनंदन

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। लगातार दो वर्षों से प्रतिष्ठित सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित होकर नई दिल्ली से लौटे फूलपुर लोकसभा सांसद प्रवीण पटेल का शुक्रवार को प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया।

भाजपा मंडल होलागढ़ अध्यक्ष राधाकांत शुक्ल के नेतृत्व में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में कार्यकताओं ने सांसद प्रवीण पटेल को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

इस अवसर पर कार्यकताओं ने कहा कि सांसद प्रवीण पटेल को लगातार दो वर्षों तक सांसद रत्न पुरस्कार प्राप्त होना फूलपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए गौरव और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि उनकी सक्रियता, जनसेवा और संसदीय कार्यों के प्रति समर्पण को दशार्ती है। कार्यकताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में फूलपुर क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

अभिनंदन कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष होलागढ़ राधाकांत शुक्ल, समाजसेवी पिंटू दुबे, अधिवक्ता उच्च न्यायालय ऋतु राज पांडेय, साधन सहकारी संघ अध्यक्ष कृष्ण चंद्र पांडेय, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नवीन पटेल, राजन शुक्ला, सिद्धू उपाध्याय, अमित द्विवेदी, मुकेश मिश्रा, पवन शुक्ला, सुरेंद्र पटेल, अंकित पांडेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

सर्जन डॉ. एल एस ओझा का जन्मदिन धूमधाम से मना, महापौर समेत भाजपा के दिग्गजों ने दी बधाई

प्रयागराज। पूर्व प्रदेश संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ, भाजपा एवं भारत के प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ, ओझा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. एल. एस. ओझा का जन्मदिन शुक्रवार को उनके निवास पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

जन्मदिन की सूचना मिलते ही भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी और शहर के गणमान्य लोग उन्हें बधाई देने उनके निवास पर पहुंचे। सभी ने डॉ. ओझा को फूल-माला पहनाकर, केक खिलाकर दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जन्मदिन के अवसर पर पहुंचे प्रमुख लोगों में प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी , महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता , काशी बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर . सी. त्रिपाठी , राम प्रभाकर शुक्ला , यादवेंद्र मिश्र दीक्षित , योगेश उपाध्याय , महानगर के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाठक , सिविल डिफेंस के आईसीओ एवं मेजा पटरी के बड़े नेता रविशंकर द्विवेदी , सिविल डिफेंस के राय साहब सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर डॉ. एल. एस. ओझा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह आजीवन चिकित्सा के माध्यम से समाज की सेवा करते रहेंगे।

विशेष शिक्षक भर्ती में वर्तमान में कार्यरत होने की शर्त वैध, 2019 से बाहर चल रहे पूर्व शिक्षकों की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा विशेष शिक्षकों के 4900 पदों पर निकाली गई विशेष चयन प्रक्रिया के संबंध में कहा है कि विज्ञापन में केवल संविदा, दैनिक वेतन अथवा आउटसोर्सिंग पर वर्तमान में कार्यरत विशेष शिक्षकों को ही स्क्रीनिंग व चयन में शामिल करने की शर्त पूरी तरह से वैध, तर्कसंगत और संवैधानिक है। यह आदेश देते हुए न्यायमूर्ति मंजूरानी चौहान ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निदेर्शों के तहत तय की गई इस पात्रता शर्त को हाईकोर्ट अपनी ओर से शिथिल नहीं कर सकता। इसी के साथ कोर्ट ने वर्ष 2019 से सेवा से बाहर चल रहे

पूर्व संविदा शिक्षकों की याचिका को खारिज कर दिया।

याचिका में कहा गया था कि याची महाराजगंज जिले में समेकित शिक्षा योजना के तहत 2005, 2006, 2010 और 2011 से इटिनरेंट/रिसोर्स टीचर (विशेष शिक्षक) के रूप में कार्यरत थे। मई 2019 तक कार्य करने के बाद जुलाई 2019 में विभाग ने जिले के 12 शिक्षकों का नवीनीकरण किया लेकिन याचियों सहित अन्य का नवीनीकरण नहीं किया गया। नवीनीकरण न होने के विरुद्ध दाखिल उनकी याचिका को हाईकोर्ट पुष्पा श्रीवास्तव केस के आधार पर खारिज कर चुका था (जिसके खिलाफ स्पेशल अपील विचाराधीन है)। स्पेशल अपील बेंच के निर्देश पर याचियों ने नियमित नियुक्ति के लिए प्रत्यावेदन दिया था, जिसे बेसिक शिक्षा अधिकारी महाराजगंज ने 15 जून को खारिज कर दिया था। इसे भी याचिका में चुनौती दी गई थी। बेसिक शिक्षा परिषद के 13 जून 2026 के विज्ञापन के सामान्य निर्देश संख्या 2 के तहत अभ्यर्थियों के लिए संविदा, दैनिक वेतन या आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से कार्यरत होने संबंधी सक्षम प्राधिकारी का अनुबंध पत्र/आदेश संलग्न करना अनिवार्य किया गया था। याचियों की दलील थी कि वे स्नातक हैं, उनके पास डीएड/बीएड (विशेष शिक्षा) डिग्री है, और उनका भारतीय पुनर्वास परिषद का सेंट्रल रिहैबिलिटेशन रजिस्टर 2028/2033 तक वैध रूप से नवीनीकृत है इसलिए सिर्फ वर्तमान में बेरोजगार होने के आधार पर उन्हें बाहर करना अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है।

कोर्ट ने आदेश में कहा कि यह चयन प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के समक्ष रजनीश कुमार पांडे बनाम भारत संघ में हुए निदेर्शों के तहत हो रही है।

चंदौली के लाल मयंक सिंह का जूनियर असिस्टेंट पद पर चयन

पुलिस महकमे में खुशी की लहर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जनपद चंदौली के निवासी और वर्तमान में प्रयागराज कमिश्नरेट में तैनात 2020 बैच के तेज-तर्रार कांस्टेबल मयंक सिंह ने अपनी मेहनत और लगन से पुलिस विभाग के साथ-साथ अपने परिवार का नाम रोशन किया है। मयंक सिंह का चयन जूनियर असिस्टेंट के पद पर हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पुलिस महकमे में हर्ष का माहौल है।

बताते चलें कि मयंक सिंह की नौकरी लगने के बाद पहली पोस्टिंग जनपद प्रयागराज में हुई थी। यहाँ उन्होंने थाना होलागढ़, बहरिया और मऊआइमा में अपनी सेवाएं दी हैं। अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदार और मिलनसार स्वभाव के कारण वे अधिकारियों और साथी कर्मियों के बीच तेज-तर्रार कांस्टेबल के रूप में पहचाने जाते हैं। पुलिस की नौकरी के साथ-साथ तैयारी जारी रखकर उन्होंने यह सफलता हासिल की है। उनके चयन पर साथी पुलिसकर्मियों, परिजनों और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी है और उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बसपा का कैडर कैम्प सम्पन्न, संगठन को मजबूत करने पर जोर

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी /प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीया बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर गुरुवार को विधानसभा सोरांव के सेक्टर सधनगंज पर कैडर कैम्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एन जैसल साहब, जिला अध्यक्ष प्रयागराज ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजू गौतम मुख्य मंडल प्रभारी प्रयागराज, अमरेंद्र बहादुर भारती मुख्य मंडल प्रभारी प्रयागराज उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में 1. एड. राजकुमार प्रजापति प्रधान जिला सचिव बसपा प्रयागराज 2. डॉ. मातादीन पासी विधानसभा प्रभारी सोरांव 3. राजेंद्र दिवाकर विधानसभा प्रभारी सोरांव 4. पवन अम्बेडकर विधानसभा अध्यक्ष सोरांव 5. रामकुमार गौतम मुस्लिम भाईचारा समाज जिला संयोजक प्रयागराज सहित मदनलाल प्रजापति, जवाहिर लाल प्रजापति, कल्लू प्रजापति व अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। कैडर कैम्प में वक्ताओं ने पार्टी की विचारधारा, बहुजन मूवमेंट और आगामी रणनीति पर कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा गुमशुदा बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। 9 सितंबर को आवेदक शिवम पाण्डेय पुत्र स्व0 सुरेश चन्द्र पाण्डेय निवासी झ 777/4/1171/4 , मुठ्ठीगंज थाना मुठ्ठीगंज प्रयागराज द्वारा थाना मुठ्ठीगंज पुलिस को सूचना दी गयी कि उनका बड़ा पुत्र अमोघ पाण्डेय उम्र करीब 15 वर्ष घर से बिना बताये कहीं चला गया है तथा काफी खोजने पर भी मिल नही रहा है। उक्त सूचना पर थाना स्थानीय पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 75/2026 धारा 137(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया तथा बालक की सकुशल बरामदगी हेतु टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों व अन्य माध्यमों से उक्त गुमशुदा बालक को पेट्रोल टंकी गऊघाट के पास थाना क्षेत्र कीडगंज से सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। अपने गुमशुदा पुत्र से पुनः मिलकर परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे तथा उनके द्वारा कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस के सार्थक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

बरामद करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह थाना मुठ्ठीगंज. उ0नि0 ऋषभ कुमार, उ0नि0 करुणेश थाना मुठ्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

विकास भवन के सभागार में भिक्षावृत्ति को रोकथाम पर हुआ मंथन

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। स्माइल योजना कार्यान्वयन के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण विकास भवन के गंगा सभागार में किया गया। प्रस्तुतीकरण की बैठक मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस मौके पर पुलिस विभाग, मत्स्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, श्रम विभाग, महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग एवं बैंक के जिला

स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण है। उसके सर्वे का कार्य गुणवत्तापूर्ण हो एवं सर्वे की रिपोर्ट को जमा करने के उपरान्त पुनः बैठक का आयोजन किया जाय। इसके साथ यह भी निर्देशित किया गया कि समस्त सम्बन्धित विभाग योजना का सकुशल क्रियान्वयन में अपना सहयोग प्रदान करेंगे, जिससे जनपद प्रयागराज को भिक्षावृत्ति से मुक्त किया जा सके।

बैंक हड़ताल : सरकारी बैंकों की 200 से अधिक शाखाओं में लटके ताले

पांच दिन बैंकिंग और समान पीएलआई की मांग को लेकर प्रदर्शन, 26 सितंबर से तीन दिनी हड़ताल की तैयारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में प्रयागराज के सरकारी बैंकों में भी कामकाज ठप रहा। पांच दिन बैंकिंग सेवा लागू करने और अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए एक समान परफारमेंस लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) की मांग को लेकर एसबीआई, इंडियन बैंक, यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और बैंक ऑफ इंडिया समेत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की जिले में 200 से अधिक शाखाओं में सुबह दस बजे ही ताले लगा दिए गए।

तालाबंदी के बाद बैंककर्मियों ने अपनी-अपनी शाखाओं में सभा कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

यूएफबीयू के जिला संयोजक मदनजी उपाध्याय की अगुवाई में सिविल लाइंस स्थित इंडियन बैंक के मुख्यालय पर सभा हुई। वहीं, पीएनबीपीईए, उत्तर प्रदेश के उपमहामंत्री शशिकांत श्रीवास्तव की अगुवाई में संगम पैलेस स्थित मुख्यालय के बाहर बैंककर्मियों ने प्रदर्शन किया। प्रयागराज अंचल के बैंककर्मी उपमहामंत्री मणींद्र कुमार शुक्ल की अगुवाई में रिजर्व पुलिस लाइन के सामने स्थित त्रिवेणी शाखा में भी जुटे।

बैंककर्मियों ने कहा कि पांच दिन बैंकिंग और समान पीएलआई की मांग लंबे समय से लंबित है। मांगें पूरी नहीं होने पर 26 सितंबर से प्रस्तावित तीन दिनी हड़ताल को लेकर भी बैंककर्मियों ने तैयारी शुरू कर दी है।

प्रदर्शन में सौरभ कुमार सिंह, हिमांशु मिश्र, भरत केसरी, डॉ. बीबी ओझा, अंकित कुमार, निशांत कुमार, पदमकांत पांडे, सुलभ टंडन, एसपी शर्मा, संजय अग्रवाल, राजेश तिवारी, शुभांशु पांडे, लवकुश शुक्ल, अमित सिंह, क्षितिज पांडे, अर्जित पांडे, एससेन गुप्त, अश्विनी द्विवेदी, लक्ष्मण प्रसाद, मनीष निषाद, प्रिया त्रिपाठी, मिताली उपाध्याय और पंकज भारती समेत बड़ी संख्या में बैंककर्मी मौजूद रहे।

संपादकीय

हनुमान अंश: वह फिल्म जिसने दर्शकों को श्रद्धालु बना दिया

भारत में समय समय पर ऐसी फिल्में आती रही हैं जो केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बनतीं, बल्कि समाज की भावनाओं, संस्कृति और आस्था से गहरा संवाद स्थापित करती हैं। वर्ष 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल हनुमान अंश भी ऐसी ही एक कृति है। संत नीम करौली बाबा के जीवन, उनकी करुणा, सेवा और हनुमान भक्ति से प्रेरित यह फिल्म शुरूआत में साधारण मानी गई, लेकिन कुछ ही सप्ताह में इसने करोड़ों दर्शकों के हृदय में विशेष स्थान बना लिया। आश्चर्य की बात यह है कि न इसमें बड़े सितारों की चमक थी, न भारी भरकम प्रचार और न ही विशाल बजट। इसके बावजूद यह फिल्म लगातार चर्चा में रही और दर्शकों की जुबानी प्रचार के सहारे अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करती गई।

इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी कहानी है। कथा किसी चमत्कार से नहीं, बल्कि एक बालक के गहरे दुख से आरंभ होती है। माँ के वियोग के बाद वह जीवन, मृत्यु और ईश्वर के प्रश्नों से जूझता है। यही खोज धीरे धीरे उसे सेवा, प्रेम और त्याग के मार्ग पर ले जाती है। फिल्म दशार्ती है कि सच्ची आध्यात्मिकता मंदिरों की दीवारों में नहीं, बल्कि भूखे को भोजन कराने, दुखी को सहारा देने और हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखने में है। यही संदेश दर्शकों को भीतर तक छूता है और फिल्म को सामान्य जीवनी से कहीं अधिक एक मानवीय यात्रा बना देता है।

फिल्म की सफलता के पीछे जितनी रोचक इसकी कहानी है, उतनी ही प्रेरक इसकी निर्माण यात्रा भी है। निर्देशक विशाल चतुर्वेदी और युवा निमार्ता अनुप्रिया नागर ने सीमित संसाधनों के साथ इस परियोजना को शुरू किया। बताया जाता है कि अनुप्रिया को विदेश में अध्ययन के दौरान नीम करौली बाबा के जीवन पर फिल्म बनाने का विचार आया। उन्होंने लंबे समय तक बाबा के जीवन, आश्रमों और उनसे जुड़ी लोक स्मृतियों का अध्ययन किया। यही कारण है कि फिल्म में आध्यात्मिक वातावरण बनावटी नहीं, बल्कि सहज और विश्वसनीय दिखाई देता है।

सबसे दिलचस्प अनसुनी कहानी उन कलाकारों से जुड़ी है जो किसी अभिनय विद्यालय से नहीं आए थे। भीड़ वाले दृश्यों के लिए निर्माण दल गाँव गाँव घूमता था और लाउडस्पीकर पर घोषणा करता था कि जो लोग पारंपरिक वेशभूषा पहनकर आएँगे, वे फिल्म का हिस्सा बन सकते हैं। ग्रामीणों ने इसे रोजगार से अधिक पुण्य का कार्य माना और सैकड़ों लोग बिना किसी दिखावे के शूटिंग में शामिल हुए। इसीलिए फिल्म के मेले, आश्रम और जनसमूह वाले दृश्य अत्यंत स्वाभाविक प्रतीत होते हैं।

एक और प्रेरक प्रसंग मुख्य कलाकार से जुड़ा है। प्रारंभिक योजना में शोभिनो सत्य केवल सहायक निर्देशक के रूप में काम कर रहे थे, लेकिन परिस्थितियाँ ऐसी बनीं कि उन्हें स्वयं नीम करौली बाबा की भूमिका निभानी पड़ी। उनके शांत चेहरे, सरल अभिनय और संयमित अभिव्यक्ति ने दर्शकों को इतना प्रभावित किया कि अनेक लोगों ने उन्हें वास्तविक बाबा की स्मृति से जोड़कर देखा। यह घटना भारतीय सिनेमा में उन दुर्लभ अवसरों में गिनी जा रही है जब पर्दे के पीछे काम करने वाला व्यक्ति अचानक पूरी फिल्म का केंद्र बन गया।

फिल्म के निर्माण के दौरान आध्यात्मिक अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया। पूरी इकाई के लिए सात्विक भोजन की व्यवस्था थी। मांसाहार और मदिरा पर पूर्ण प्रतिबंध रखा गया। निर्देशक ने स्वयं कई महीनों तक केवल फलाहार करने और प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करने का संकल्प लिया। उनका विश्वास था कि जिस संत के जीवन पर फिल्म बन रही है, उसकी गरिमा केवल कैमरे से नहीं, बल्कि निर्माण प्रक्रिया की पवित्रता से भी बनी रहती है। यह अनुशासन आज फिल्म की सबसे चर्चित परदे के पीछे की कहानियों में शामिल है।

छात्रों को सुरक्षित और सस्ता आवास साझा जिम्मेदारी

रोहित माहेश्वरी, स्वतंत्र पत्रकार

दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में बीती 6 सितंबर को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां लड़कों के हॉस्टल पीजी के रूप में इस्तेमाल हो रही एक पांच मंजिला इमारत अचानक ढह गई। इस भीषण हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हुए हैं। यह इमारत दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास स्थित थी, इसलिए इसमें ज्यादातर छात्र और मजदूर मलबे में दब गए थे। एनडीआरएफ और पुलिस की टीमों ने करीब 27 से 28 घंटे तक लगातार बचाव अभियान चलाकर लोगों को मलबे से बाहर निकाला।

राष्ट्रीय राजधानी में यह कोई पहला मौका नहीं है जब कोई ऐसा हादसा हुआ हो। हाल ही में मालवीय नगर के एक ह्यअवैध, संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां भस्म होकर राख बन गईं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छात्र अचानक लाश बन जाते हैं। कभी लक्ष्मी नगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त ह्यशून्यह्ल थे।

इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी ह्यअवैध थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और यह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें ह्यअवैधह्ल थीं, क्योंकि उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। सत्य निकेतन में कई निजी इमारतों को पीजी के तौर पर बदला गया है और ज्यादातर पीजी के बाहर पीजी का बोर्ड भी नहीं लगा है। सवाल है- क्या इस इमारत को बड़ी संख्या में छात्रों के रहने वाले पीजी के तौर पर इस्तेमाल करने की अनुमति थी? क्या इमारत में रहने वालों की संख्या के हिसाब से सीढ़ियां, निकासी के रास्ते और दूसरी जरूरी सुविधाएं पर्याप्त थीं?

सवाल यह भी है कि अगर इलाके में पहले से ऐसी समस्याएं थीं, तो एमसीडी को पता क्यों नहीं चला? यह सवाल हादसे के बाद सबसे गंभीर सवालों में से एक बन गया है। समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए कई वीडियोज में वहां रहने वाले स्थानीय लोग दावा कर रहे हैं इस इलाके में पहले भी बिल्डिंग गिरने की घटनाएं हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि इस इलाके में बड़ी संख्या में रिहायशी इमारतों को पीजी में बदलने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यानी यहां एक अहम सवाल खड़ा होता है। अगर इलाके में बड़ी संख्या में पुराने मकानों को बहुमंजिला पीजी में बदला जा रहा था और स्थानीय लोग इमारतों की हालत को लेकर सवाल उठा रहे थे, तो क्या एमसीडी ने ऐसे इलाकों की इमारतों का व्यवस्थित सुरक्षा सर्वे किया था? क्या इस इमारत को पीजी में बदलने से पहले एमसीडी को बताया गया था। और अगर निर्माण नियमों का उल्लंघन हो रहा था, तो उसे समय रहते क्यों नहीं रोका गया? कहा जाता है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी में 2.5 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं, लेकिन हॉस्टल में सिर्फ 9,000 बेड हैं। इसलिए ज्यादातर स्टूडेंट्स को कहीं और रहने की जगह ढूंढनी पड़ती है। और यह सिर्फ दिल्ली यूनिवर्सिटी की समस्या नहीं है। दशकों से, दिल्ली ने यूनिवर्सिटी, कॉलेज, कोचिंग इंस्टीट्यूट, हॉस्पिटल, ऑफिस और रोजगार जमा किए हैं, लेकिन उनके आस-पास कोई सस्ता किराए का घर जैसा इकोसिस्टम नहीं बनाया है। मार्केट ने स्वाभाविक रूप से इस खालीपन को भर दिया। इस तरह आम रिहायशी इलाके बड़े इनफॉर्मल स्टूडेंट शहर बन गए: मुखर्जी नगर, जीटीबी नगर, विजय नगर, कमला नगर, सत्य निकेतन, बेर सराय, कटवारिया सराय, जिया सराय, मुनिरका और लक्ष्मी नगर, वगैरह।

लोकप्रियता का नया डिजिटल कीर्तिमान और बदलते भारत का आर्थिक महाशक्ति मॉडल

अशोक भाटिया

समकालीन भारतीय राजनीति में जनभावनाओं के उभार, चुनावी रणनीतियों और किसी राजनेता की लोकप्रियता को मापने के पारंपरिक पैमाने अब पूरी तरह बदल चुके हैं। हाल ही में 8 सितंबर 2026 को गुजरात के वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम ह्लनमो फॉर विकसित भारतह्ल को लेकर हुए अभूतपूर्व पंजीकरण ने न केवल एक नया इतिहास रचा , बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श में आधुनिक तकनीक के समावेश को एक सर्वथा नई दिशा भी दी है। यह देश के राजनीतिक इतिहास में संभवतः पहला ऐसा अवसर है जब किसी निर्वाचित राष्ट्रप्रमुख के सार्वजनिक कार्यक्रम में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावसायिक ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म इङ्घङ्घट८रँङ्घ६ का सहारा लिया गया और देखते ही देखते मात्र एक घंटे के भीतर पूरा मैदान आरक्षित हो गया। आमतौर पर मनोरंजन, सिनेमा, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों और बड़े संगीत कंसर्ट के टिकटों के लिए दिखने वाला डिजिटल क्रेज जब किसी राजनीतिक और पूरी तरह से विकास-केंद्रित कार्यक्रम के लिए दिखाई देने लगे, तो यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन-अपील अपने कार्यकाल के इतने वर्षों बाद भी अपने चरम पर बनी हुई है। इस अभूतपूर्व पंजीकरण प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद भी बयालीस हजार से अधिक लोगों का लगातार वेटिंग लिस्ट में बने रहना यह साबित करता है कि जनता अपने नेता को सुनने, उनसे संवाद करने और उनके विजन से जुड़ने के लिए किस कदर उत्सुक है। यह घटना केवल एक सफल इवेंट मैनेजमेंट या प्रशासनिक तत्परता का उदाहरण भर नहीं है, बल्कि यह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि भारतीय समाज का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर नव-मतदाता, युवा और तकनीक-सचेत नागरिक, अब विकास की राजनीति को किस तरह से आत्मसात कर रहे हैं और देश के भविष्य को लेकर कितने सजग हैं। इस पूरे घटनाक्रम के अंतर्निहित संदेशों को समझने के लिए हमें उस प्रशासनिक और राजनीतिक नवाचार का गहराई से विश्लेषण करना होगा, जो वडोदरा नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर इस ऐतिहासिक जनसभा के लिए पेश किया । पारंपरिक रूप से भारतीय राजनीति में रैलियों और जनसभाओं में भीड़ जुटाने के तौर-तरीके हमेशा से विवादों, राजनीतिक रस्साकशी और गंभीर अव्यवस्थाओं के घेरे में रहे हैं, जहाँ बसों और ट्रकों में भरकर लोगों को लाने, असंगठित भीड़ के कारण सुरक्षा घेरे को तोड़ने और यातायात व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने जैसी स्थितियाँ आम हुआ करती थीं। इसके विपरीत, वडोदरा के महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी पवेलियन ग्राउंड में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के लिए डिजिटल माध्यम से मुफ्त क्यूआर-कोड आधारित एम-टिकट जारी करना एक क्रांतिकारी और अनुकरणीय कदम है। यह दृष्टिकोण न केवल उस पुरानी वीआईपी संस्कृति को पीछे छोड़ते हुए आम नागरिकों को गरिमापूर्ण तरीके से सीधे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का पारदर्शी अवसर देता है, बल्कि सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिहाज से भी भविष्य की रैलियों के लिए एक नया वैश्विक मॉडल प्रस्तुत करता है। जब प्रत्येक आगंतुक के पास एक प्रमाणित डिजिटल पास होता है, तो कार्यक्रम स्थल पर होने वाली अफरातफरी और भगदड़ जैसी अप्रिय घटनाओं की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाती है। यह पूरी पारदर्शी प्रक्रिया यह भी दशार्ती है कि प्रधानमंत्री का डिजिटल इंडिया का सपना अब केवल बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं या वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उसने राजनीतिक भागीदारी, लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक संवाद के बुनियादी तौर-तरीकों को भी पूरी तरह से बदलकर रख दिया है।

इस संदर्भ में, वडोदरा और समग्र गुजरात का आर्थिक व औद्योगिक महत्व इस पूरे विमर्श को एक बेहद मजबूत और ठोस धरातल प्रदान करता है। गुजरात आज भारतीय अर्थव्यवस्था का एक ऐसा मुख्य इंजन बन चुका है, जो देश के कुल निर्यात में लगभग एक तिहाई की हिस्सेदारी रखता है और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत का प्रवेश द्वार बना हुआ है। वहीं वडोदरा, जिसे पारंपरिक रूप से संस्कारी नगरी या कला, साहित्य और संस्कृति की राजधानी माना जाता था, आज भारत के सबसे तेजी से उभरते हुए आधुनिक औद्योगिक, हैवी इंजीनियरिंग और फार्मास्युटिकल हब के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय धाक जमा चुका है। भारत के कुल बिजली पारेषण और वितरण उपकरण निर्माण का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा अकेले वडोदरा और उसके आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से आता है, जो इसे देश का एक प्रमुख ऊर्जा-इंजीनियरिंग केंद्र बनाता है। यही नहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस के संयुक्त उद्यम के तहत इसी वडोदरा की धरती पर स्थापित की गई सी-295 (उ-295) परिवहन विमान निर्माण सुविधा ने इस शहर को वैश्विक रक्षा निर्माण (डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग) के नक्शे पर अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है। विमान निर्माण की यह ऐतिहासिक परियोजना न केवल देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर हजारों कुशल इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रही है।

जब किसी ऐसे शहर में विकास की एक सर्वथा नई इबारत लिखी जा रही हो, जो सीधे तौर पर देश की जीडीपी को रफ्तार दे रहा हो, तो वहाँ के नागरिकों का देश के नीति-नियंता के प्रति ऐसा जबरदस्त डिजिटल उत्साह दिखाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है।

गुजरात की यह आर्थिक ताकत और वडोदरा की औद्योगिक उद्यमशीलता ही वह धुरी है, जिस पर आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक मैन्युफैक्चरिंग सुपरपावर बनने का विशाल राष्ट्रीय सपना टिका हुआ है। इस असाधारण डिजिटल दीवानगी के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण और तात्कालिक कारक है, वह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास केंद्रित एजेंडा, जिसे वे ह्लविकसित भारतह्ल के संकल्प के रूप में देश के सामने लगातार रख रहे हैं। 8 सितंबर 2026 का यह वडोदरा दौरा केवल एक औपचारिक राजनीतिक जनसभा नहीं थी , बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली पैंतीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की विशाल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय उत्सव भी था । इन परियोजनाओं में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन मुख्य सेक्शन को राष्ट्र को समर्पित किया जाना सबसे प्रमुख है, जो मालगाड़ियों की गति और देश की रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगी। इसके साथ ही वडोदरा-रतलाम जैसी बड़ी रेलवे योजनाओं के विस्तार, नई यात्री ट्रेनों की शुरूआत और राष्ट्रीय राजमार्गों के आधुनिकीकरण से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स भी पश्चिमी भारत के आर्थिक बुनियादी ढांचे को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। देश की जनता अब इस बात को भली-भांति समझती है कि बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) में किया जा रहा यह ऐतिहासिक निवेश सीधे तौर पर बड़े निजी निवेश को आकर्षित करेगा, व्यापार को सुगम (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बनाएगा और आम आदमी के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाएगा। इसलिए, जब लोग बुकमायशो जैसे प्लेटफॉर्म पर सुबह-सुबह टिकट बुक करने के लिए डिजिटल कतार में खड़े होते हैं, तो वे वास्तव में केवल एक राजनीतिक भाषण सुनने के लिए नहीं, बल्कि देश के आधुनिक भविष्य को गढ़ने वाले इस युगांतकारी बदलाव के प्रत्यक्ष गवाह बनने के लिए अपनी उत्सुकता और राष्ट्र निर्माण में अपनी मौन सहमति दर्ज करा रहे होते हैं।

मौत की इमारतें: कब थमेगा भ्रष्टाचार और लापरवाही का यह जानलेवा खेल?

अशोक भाटिया

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत का ताश के पत्तों की तरह ढह जाना और मलबे में दबकर छह बेगुनाह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना महज एक आकस्मिक हादसा नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के महानगरीय विकास के खोखलेपन और प्रशासनिक तंत्र के सड़ चुके ढांचे की एक और खौफनाक बानगी है। हर ऐसे हादसे के बाद सरकारी अमला कुंभकर्णी नींद से जागता है, कुछ मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, एक जांच समिति का गठन कर दिया जाता है, और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य मानकर फिर से उसी ढर्रे पर लौट आता है। लेकिन बुनियादी सवाल वहीं का वहीं खड़ा है कि आखिर कब तक देश के नागरिक चंद पैसों के भूखे बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के इस जानलेवा गठजोड़ की वेदी पर अपनी जान की आहुति देते रहेंगे? आखिर कब तक हमारे शहरों में खड़ी अवैध और जर्जर इमारतें मौत की इमारतें बनकर मासूमों को निगलती रहेंगी? सत्य निकेतन की वह इमारत, जिसे नगर निगम के दस्तावेजों में केवल दो मंजिलों की अनुमति मिली थी, वह कैसे अधिकारियों की नाक के नीचे पांच मंजिला कंक्रीट का टावर बन गई और कैसे उसमें सैकड़ों छात्रों को भेड़-बकरियों की तरह पीजी के रूप में रहने के लिए झोंक दिया गया, यह अपने आप में एक बड़ा प्रशासनिक अपराध है।

यह त्रासदी किसी एक शहर या एक खास इलाके की बानगी नहीं है, बल्कि आज पूरे भारत के महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों की यही कड़वी और डरावनी हकीकत है। यदि हम देश के अन्य हिस्सों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि मौत की इमारतों का यह जाल कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उससे सटे ठाणे, कल्याण तथा मुंब्रा जैसे इलाकों का उदाहरण हमारे सामने है, जहां हर साल मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मुंबई की पुरानी चालें और संकरी गलियों में खड़ी अवैध बहुमंजिला इमारतें दशकों से मौत का इंतजार कर रही हैं। वहां कानूनी पचड़ों, मकान मालिक और किराएदारों के विवादों और नगर निगम की ढीली कार्यप्रणाली के कारण सैकड़ों ऐसी इमारतें आज भी वैसी ही खड़ी हैं, जिन्हें बहुत पहले ही रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। लोग अपनी जान हथेली पर रखकर वहां रहने को मजबूर हैं क्योंकि महानगर की बेतहाशा महंगाई ने उन्हें विकल्पहीन बना दिया है।

इसी तरह, देश के सबसे आधुनिक और हाई-टेक शहरों में शुमार किए जाने वाले दिल्ली-एनसीआर के गुरुग्राम और नोएडा जैसे इलाकों की स्थिति भी कोई बहुत बेहतर नहीं है। जहां एक तरफ गगनचुंबी सोसायटियां और शीशे की चमचमाती दीवारें प्रगति का ढोल पीटती हैं, वहीं दूसरी तरफ इनके भीतर का सच बेहद भयावह है। हाल के वर्षों में गुरुग्राम और नोएडा की कई पॉश सोसायटियों में निर्माण की बेहद घटिया गुणवत्ता के कारण कभी छतों के प्लास्टर गिर रहे हैं, तो कभी लिफ्ट शाफ्ट ढह रहे हैं, और कभी पूरी की पूरी बालकनी नीचे आ गिरती है। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों से घिरे इन हाई-टेक शहरों में भी बिल्डर माफिया ने मुनाफाखोरी के चक्कर में इंसानी जान की कीमत को शून्य बना दिया है। रेरा जैसे कानूनों के आने के बावजूद, कागजी औपचारिकताओं को तो पूरा कर लिया जाता है, लेकिन धरातल पर जो कंक्रीट और लोहा इस्तेमाल हो रहा है, उसकी मजबूती पर हमेशा एक बड़ा सवालिया निशान लगा रहता है।

यदि हम दक्षिण भारत के प्रमुख तकनीकी केंद्र बेंगलुरु की बात करें, तो वहां का परिदृश्य और भी चिंताजनक है। बेंगलुरु जो कभी अपने बगीचों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता था, आज अनियंत्रित कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुका है। वहां के कतिपय रिहायशी इलाकों में बिना किसी सॉयल टेस्टिंग (मिट्टी की जांच) के और बिना पर्याप्त पिलर या बेस फाउंडेशन के, रातों-रात चार से पांच मंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं। दलदली जमीनों और सूखे तालाबों के कैचमेंट एरिया पर बनी ये अवैध इमारतें अक्सर जरा सी बारिश या मामूली भू-धंसाव के कारण एक तरफ झुक जाती हैं, जिन्हें बाद में प्रशासन को आनन-फानन में ढहाना पड़ता है। आईटी हब की इस चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधाधुंध और गैर-कानूनी निर्माण किसी भी दिन एक बहुत बड़ी त्रासदी को आमंत्रण दे रहा है। पूरब की ओर रुख करें, तो कोलकाता और चेन्नई जैसे ऐतिहासिक महानगरों में समस्या का एक दूसरा पहलू सामने आता है। यहां विरासत और पुराने कानूनी विवादों के नाम पर दशकों, बल्कि सदियों पुरानी जर्जर इमारतें खड़ी हैं, जिनके मालिक या तो देश छोड़कर जा चुके हैं या फिर किराएदारों के साथ दशकों से कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इ

बेसहारा हथेली

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

नारियल विकास बोर्ड के संभागीय कार्यालय के बाहर नीम के चबूतरे पर पचहत्तर साल के मणिकंदन बाबा हर बुधवार सुबह ठीक दस बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में सूखे नारियल की जटाओं का एक भूरा लच्छा और रस्सी बटने वाली लकड़ी की एक पुरानी घिसी हुई चरखी हमेशा रहती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते रहते थे। आज दो सितंबर को विश्व नारियल दिवस के भव्य महोत्सव के मौके पर जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें गेट पर देखा तो अपनी चाय का कुल्हड़ मेज पर रखते हुए ठहाका लगाकर बोला कि "बाबा जब आज पूरे प्रदेश में कल्पवृक्ष उत्सव का डंका बज रहा है और बड़े-बड़े वैज्ञानिक नारियल से बने आधुनिक उत्पादों की प्रदर्शनी लगा रहे हैं तो इस सूखे छिलके और जटा को रोज अपनी छाती से लगाकर यहाँ बड़े अफसरों के आगे क्या तमाशा खड़ा करते हो।" मणिकंदन बाबा अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को ठीक करते और बहुत धीमी आवाज में मुस्कुराकर कहते कि "बेटा यह सूखा रेशा केवल पेड़ की छाल नहीं है बल्कि इस पूरे कृषि महकमे की वो कागजी समृद्धि है जिसने मेरी पुश्तैनी बगिया को कागजों की स्याही में उजाड़ कर रख दिया है।" आसपास खड़े तमाम मुंशी और दलाल उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि "लगता है इस बुढ़ापे में बाबा की मति मारी गई है जो नारियल दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चले आए हैं।" मणिकंदन बाबा किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस रेशे को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के काफिले का इंतजार करते रहते थे।

बोर्ड के सभी बाबू और तकनीकी सलाहकार मणिकंदन बाबा की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से पूरी तरह परिचित हो चुके थे और उन्हें एक सनकी बुजुर्ग मानकर पूरी तरह अनदेखा कर देते थे। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी अनुदान की नई चेकबुक लेकर निदेशक के केबिन की तरफ बढ़ता तो मणिकंदन बाबा बहुत उम्मीद से अपनी लाठी के सहारे खड़े हो जाते और हाथ जोड़कर कहते कि "बाबू जी क्या आज उस कीट प्रकोप वाले बागान पुनर्वास और राहत वाले कागज पर साहब के दस्तखत हो गए।" बाबू गुस्से में फाइलें पटकते हुए डांटकर कहता कि "अरे बाबा जब तक सेटेलाइट सर्वे से तुम्हारी बागिया के पेड़ों की ड्रोन मैपिंग नहीं होगी और ऊपर से डिजिटल रिपोर्ट नहीं आएगी तब तक विभाग से फूटी कौड़ी नहीं मिलेगी और तुम इस सूखे रेशे को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे।" मणिकंदन बाबा बिना किसी प्रतिवाद के वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ जाते और उस चरखी पर उस रेशे को लपेटने का निरर्थक प्रयास करने लगते थे जो हर बार टूटकर जमीन पर बिखर जाता था।

विश्व का मानचित्र बदलेगा, भारत की संप्रभुता नहीं

महेन्द्र तिवारी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में हाल ही में पारित नया विश्व मानचित्र प्रस्ताव केवल भूगोल के रेखांकन का विषय नहीं है, बल्कि यह इतिहास, राजनीति, शिक्षा और वैश्विक न्याय से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण और युगांतरकारी परिवर्तन है। इस ऐतिहासिक प्रस्ताव को मानचित्र सुधारने की एक विशेष पहल के अंतर्गत पारित किया गया है। इसका मूल उद्देश्य दुनिया के मानचित्रों में महाद्वीपों और देशों के वास्तविक क्षेत्रफल को अधिक सटीक, वैज्ञानिक और न्यायपूर्ण ढंग से प्रदर्शित करना है। भारत ने इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करके यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विश्व के अधिक संतुलित और यथार्थवादी प्रतिनिधित्व का प्रबल पक्षधर है। इसके साथ ही भारत ने अत्यंत दृढ़ता से वैश्विक मंच पर यह भी दोहरा दिया है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय मानचित्र में इन क्षेत्रों का चित्रण पूर्ण रूप से भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुरूप ही होना चाहिए। इस प्रकार भारत ने एक ओर जहां वैश्विक सुधार का खुला समर्थन किया है, वहीं दूसरी ओर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता पर किसी भी प्रकार के समझौते की संभावना को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया है। विश्व मानचित्र का यह विवाद कोई आज का नया विषय नहीं है। 16वीं शताब्दी में तैयार की गई मर्केटर प्रक्षेपण प्रणाली समुद्री नौवहन के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती थी क्योंकि उसमें नाविकों के लिए दिशाओं का निर्धारण करना बहुत ही सरल हो जाता था। पृथ्वी जो कि एक गोल आकार की है, उसे एक समतल कागज पर उकेरने की इस विधा ने दिशाओं को तो सटीक रखा, किंतु उसी सुविधा की बहुत बड़ी कीमत यह चुकानी पड़ी कि ध्रुवों के निकट स्थित क्षेत्रों का आकार वास्तविकता से अत्यधिक बढ़ा हुआ दिखाई देने लगा। इसके परिणामस्वरूप यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्र वास्तविकता से कहीं अधिक विशाल प्रतीत होने लगे। इसके विपरीत भूमध्य रेखा के निकट स्थित अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र वास्तविकता से बहुत छोटे दिखाई देते हैं।

आधुनिक भूगोल के जानकार लंबे समय से यह सशक्त तर्क देते रहे हैं कि शिक्षा और सामान्य ज्ञान के प्रसार के लिए ऐसे मानचित्र अधिक उपयुक्त होने चाहिए जो भूमि के वास्तविक क्षेत्रफल को सुरक्षित और सटीक रखें। इसी विचार ने समान क्षेत्रफल पर आधारित नई मानचित्र प्रणालियों को जन्म दिया है। इस नए प्रस्ताव को पारित कराने के पीछे अफ्रीकी देशों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रही है। अफ्रीकी देशों का यह प्रबल तर्क रहा है कि पारंपरिक मानचित्रों ने सदियों तक उनके महाद्वीप की वास्तविक विशालता को बहुत कम करके दिखाया है। इस भौगोलिक विकृति ने वैश्विक मानसिकता में भी एक गहरा असंतुलन पैदा किया, जिससे अवचेतन रूप में यह धारणा बन गई कि जो देश आकार में बड़े दिखते हैं वे अधिक महत्वपूर्ण हैं। यदि हम वास्तविक आंकड़ों की बात करें तो अफ्रीका पृथ्वी का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। इसके बावजूद साधारण मानचित्रों में वह यूरोप और उत्तरी अमेरिका की तुलना में अपेक्षाकृत काफी छोटा दिखाई देता है। इस नए प्रस्ताव का उद्देश्य केवल कागज पर खींची गई रेखाओं को बदलना मात्र नहीं है, बल्कि दुनिया की भौगोलिक समझ को अधिक न्यायपूर्ण और समानता पर आधारित बनाना है। भारत द्वारा इस अफ्रीकी पहल का समर्थन किया जाना वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ उसकी लगातार बढ़ती रणनीतिक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समान प्रतिनिधित्व के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट रूप से दशार्ता है।

इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम में दो बिल्कुल अलग विषयों को समझना अत्यंत आवश्यक है। पहला विषय विशुद्ध रूप से भूगोल का है, जिसमें पृथ्वी के महाद्वीपों का वास्तविक आकार और उनकी सटीक वैज्ञानिक प्रस्तुति शामिल है। दूसरा विषय राजनीतिक मानचित्रण का है, जिसमें विभिन्न देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं, विवादित क्षेत्र और राष्ट्रों की संप्रभुता का अत्यंत संवेदनशील मामला आता है।

बाढ़ से काटा जमालपुर-रामपुर मार्ग अब तक नहीं हुआ दुरुस्त, 24 गांवों का संपर्क प्रभावित

मीरजापुर

जमालपुर क्षेत्र में बाढ़ के पानी से बचाव के लिए करीब एक पखवाड़े पूर्व काटा गया जमालपुर-रामपुर-बेलहर-ओड़ी मार्ग अब तक दुरुस्त नहीं हो सका है। इससे करीब 24 से अधिक गांवों के लोगों का ब्लॉक मुख्यालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सीधा संपर्क प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों को जरूरी काम के लिए कई किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है।

बताया गया कि गड़ई नदी का तटबंध टूटने से करजी, हसौली, धोबही, बियरही समेत कई गांवों और सिवानों में पानी भर गया था। फसलों और घरों को बचाने के लिए ग्रामीणों ने हसौली और करजी के बीच जेसीबी से सड़क काटकर पानी का रास्ता बनाया था। इससे आवागमन पूरी तरह बंद हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले वर्ष आई बाढ़ के दौरान करजी गांव के पास गड़ई नदी के तटबंध कई स्थानों पर टूट गए थे। सिंचाई विभाग की ओर से उनकी मरम्मत नहीं कराए जाने के कारण इस वर्ष दोबारा बाढ़ का पानी गांवों और खेतों में पहुंच गया। अब पानी निकल चुका है, लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं होने से समस्या बनी हुई है।

मार्ग कटने से करजी, धोबही, रामपुर, बेलहर, दौलताबाद, भाईपुर, भुईली, हाजीपुर, जिगना, सुरहां, बियरही, बिषौरा, शेरवां, विक्सी, जफराबाद और भोकरौध समेत करीब 24 से अधिक गांव प्रभावित हैं। ग्राम प्रधानों और समाजसेवियों ने संबंधित विभाग से जल्द सड़क दुरुस्त कराने की मांग की है।

मीरजापुर : बिल में हाथ डालते ही सर्प ने डसा, पांच वर्षीय बालक की मौत

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में जमालपुर थाना क्षेत्र के ढेबरा गांव में शुक्रवार को सर्पदंश से पांच वर्षीय बालक कार्तिक कुमार की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया गया कि आज सुबह कार्तिक घर में खेल रहा था। इसी दौरान उसने घर में बने एक बिल में हाथ डाल दिया। बिल के अंदर सांप था, जिसने बालक को डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे गाजीपुर स्थित सत्ती माई के यहां ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

कार्तिक के पिता चंद्रसूरज बियार दूसरे प्रदेश में रहकर मजदूरी करते हैं। वह दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। बेटे की मौत से मां रेनू देवी, भाई पवन कुमार और बहन अर्चना रो-रोकर बेहाल है। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

रेलवे परिसर में यात्रियों को परेशान करने पर आठ किन्नरों पर कार्रवाई

कानपुर।

कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के दिल्ली छोर एफओबी पर शुक्रवार को यात्रियों को असुविधा पहुंचाने और रेलवे परिसर में अनुशासन बिगाड़ने के आरोप में आरपीएफ ने आठ किन्नरों को हिरासत में लिया। सभी के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 145 के अंतर्गत कार्रवाई की गई। आरपीएफ कानपुर सेंट्रल के स्टाफ ने स्टेशन परिसर में गश्त और निगरानी के दौरान आठ किन्नरों को यात्रियों को असुविधा पहुंचाते हुए पाया। स्टाफ ने उन्हें समझाते हुए यात्रियों को परेशान न करने और रेलवे परिसर में अनुशासन बनाए रखने की हिदायत दी, लेकिन इसके बावजूद उनकी गतिविधियां जारी रहीं।

बारिश से खराब सड़कों को तत्काल मोटरेबल बनाएं, बरसात के बाद नवीनीकरण भी हो : मुख्यमंत्री योगी

आगामी पर्व-त्योहारों से पहले प्रमुख मार्गों को प्राथमिकता से गड्ढामुक्त करें : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें आवागमन के योग्य बनाने और बरसात के बाद जरूरत के अनुसार उनका नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि बारिश अभी जारी है, इसलिए सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और बारिश से नए क्षतिग्रस्त मार्गों का भी सर्वे कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी पर्व-त्योहारों में बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर आवागमन में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पर्वों से पहले आवश्यक मरम्मत और नवीनीकरण के काम पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति का काम केवल पैचवर्क तक सीमित न रहे। जहां सड़क तत्काल खराब स्थिति में है, वहां उसे अभी मोटरेबल बनाया जाए और बरसात समाप्त होने के बाद जरूरत के अनुसार स्थायी नवीनीकरण कराया जाए।

बैठक में बताया गया कि अतिवृष्टि के साथ ही एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय मार्ग, रेलवे आदि की निमार्णाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इन मार्गों का विभागवार सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के आधार पर क्षतिग्रस्त सड़कों को चिन्हित कर गड्ढामुक्ति के विभागवार लक्ष्य तय किए जाएंगे।

आगामी पर्वों को देखते हुए प्रदेश में 681 महत्वपूर्ण मार्ग चिन्हित किए गए हैं। इनमें गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान अधिक आवागमन वाले मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर स्थिति में रखने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों से भी उनकी कार्ययोजना की जानकारी ली। साथ ही मंडी परिषद, पंचायती राज, सिंचाई, ग्राम्य विकास, नगर विकास, आवास एवं शहरी नियोजन तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की कार्ययोजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया।

विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि गड्ढामुक्ति अभियान में 09 विभागों के मार्ग शामिल हैं। इन विभागों के अधीन करीब 4.36 लाख किलोमीटर सड़कें हैं। वर्तमान लक्ष्य के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर मार्गों को गड्ढामुक्त किया जाना है, जिसमें अब तक करीब 5,751 किलोमीटर पर काम पूरा किया जा चुका है। क्षतिग्रस्त मार्गों के सर्वे के बाद विभागवार लक्ष्य को अंतिम रूप दिया जाएगा।

नवीनीकरण और विशेष मरम्मत के कार्यों की भी समीक्षा की गई। विभाग के अनुसार नवीनीकरण के लिए करीब 30 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत के लिए करीब पांच हजार किलोमीटर का लक्ष्य रखा गया है। अब तक नवीनीकरण में करीब 14 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत में करीब 700 किलोमीटर की प्रगति बताई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ी है। शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, मुख्य बाजारों, सरकारी कार्यालयों और ऐसे अन्य स्थानों, जहां आमजन का आवागमन अधिक रहता है, वहां की सड़कों को प्राथमिकता पर लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मार्गों पर तत्काल काम शुरू कराया जाए और जहां मरम्मत की जरूरत है, वहां बिना देरी किए सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाए।

कानपुर में एक बार फिर बढ़ा गंगा का जलस्तर

कानपुर।

कानपुर में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार को कानपुर बैराज पर गंगा का अपस्ट्रीम जलस्तर बढ़कर 114.710 मीटर पहुंच गया। गुरुवार को जलस्तर 114.630 मीटर था। यानी 24 घंटे में जलस्तर में 0.080 मीटर की बढ़ोतरी हुई है। गंगा चेतावनी बिंदु से 0.710 मीटर ऊपर और खतरे के निशान से 0.290 मीटर नीचे बह रही है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए संबंधित विभागों को सतर्क रहने और नदी किनारे के इलाकों पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी कर रही हैं।

कानपुर बैराज पर डाउनस्ट्रीम जलस्तर भी गुरुवार के 114.280 मीटर से बढ़कर 114.350 मीटर पहुंच गया है। इसमें 0.070 मीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बैराज पर पानी का डिस्चार्ज भी 407895 क्यूसेक से बढ़कर 417201 क्यूसेक हो गया है। यानी डिस्चार्ज में 9306 क्यूसेक की बढ़ोतरी हुई है।

शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर गुरुवार के 113.020 मीटर से बढ़कर 113.060 मीटर पहुंच गया। यहां जलस्तर में 0.040 मीटर की बढ़ोतरी हुई है और नदी चेतावनी बिंदु से 0.060 मीटर ऊपर बह रही है।

वहीं, हरिद्वार बैराज से पानी का डिस्चार्ज गुरुवार के 81514 क्यूसेक से घटकर 62127 क्यूसेक रह गया है। इसमें 19387 क्यूसेक की कमी आई है। नरौरा बैराज से भी डिस्चार्ज 105633 क्यूसेक से घटकर 86985 क्यूसेक दर्ज किया गया, जो गुरुवार के मुकाबले 18648 क्यूसेक कम है।

यूपी में हो रही अतिवर्षा को लेकर मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी समेत प्रदेश के कई जिलों में शुक्रवार की सुबह से ही बारिश हो रही है। भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को बचाव एवं राहत कार्य के लिए निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने अति बारिश से होने वाली जनहानि, पशु हानि व आर्थिक हानि का भी संज्ञान लिया है। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड पर निकलने के दिए निर्देश हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। अधिकारी प्रभावित परिवारों से संवाद बनाकर उपलब्ध हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं।

अति वर्षा, आकाशीय बिजली से हुई जन हानि, पशु हानि व आर्थिक हानि का आंकलन कर 24 घंटे में मुआवजा देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जलभराव से जनमानस को समस्या न होने पाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि खराब मौसम में आकाशीय बिजली गिरने की संभावना रहती है। ऐसे में इस दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। अतिवृष्टि के समय नदियों व जलाशयों में स्नान करते हुए विशेष सावधानियां बरतें।

बंगाल की खाड़ी में कम दबाव क्षेत्र बनने के आसार, फिर सक्रिय होगा मानसून

पूर्वी उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बढ़ेगी बारिश की गतिविधियां

प्रयागराज।

मानसून की विदाई से पहले एक बार फिर बारिश का दौर सक्रिय होने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी में 10 सितंबर के आसपास नया कम दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से पूर्वी और मध्य भारत के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

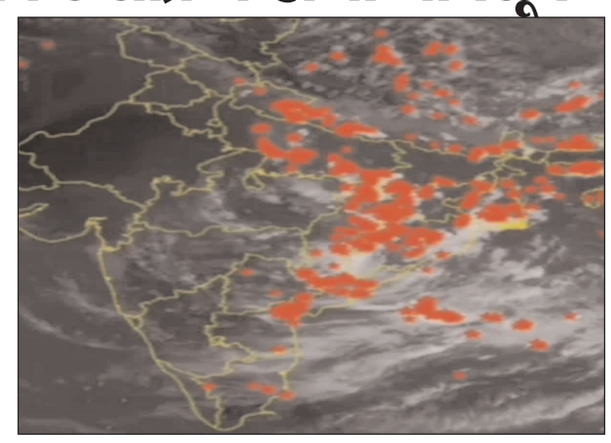

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम विशेषज्ञ डॉ एस एन सुनील पांडेय ने बताया कि यह मौसम प्रणाली 11 सितंबर से पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए 12 सितंबर तक देश के अंदरूनी हिस्सों में पहुंच सकती है। इसके प्रभाव से ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बारिश का सिलसिला बढ़ने की संभावना है। कानपुर मंडल समेत प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। इसके बाद सिस्टम के पश्चिम की ओर आगे बढ़ने पर मध्य प्रदेश, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तरी तेलंगाना और गुजरात के कुछ हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं। मध्य प्रदेश में अलग-अलग चरणों में तेज बारिश हो सकती है। वहीं, लंबे समय से बारिश की कमी वाले आंतरिक महाराष्ट्र के क्षेत्रों को भी इस मौसम प्रणाली से राहत मिलने की उम्मीद है। पूर्वी राजस्थान में भी मानसून की विदाई से पहले बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एस.एन. सुनील पांडेय के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बनने वाला कम दबाव क्षेत्र मानसून की गतिविधियों को दोबारा सक्रिय कर सकता है। इसके प्रभाव से पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। मौसम प्रणाली के पश्चिम की ओर बढ़ने के साथ मध्य भारत और पश्चिमी हिस्सों में भी बारिश का असर पहुंच सकता है। मानसून की विदाई से पहले यह सिस्टम कई क्षेत्रों में बारिश की कमी को कुछ हद तक पूरा कर सकता है।

नवनिर्मित पानी की टंकी के पास टीले पर मिला, जांच में जुटी पुलिस

अमेठी

अमेठी जनपद अंतर्गत बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के तकिया बदलगढ़ मजरे अहमदपुर निवासी आदिल (26)का शव गुरुवार की देर रात सधार मऊ गांव में नवनिर्मित पानी की टंकी के पास टीले पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। युवक के सिर पर चोट के निशान मिलने से ग्रामीणों में हत्या की आशंका को लेकर चर्चा रही, जबकि शरीर पर झुलसने और

जगह-जगह काले निशान भी पाए गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच में जुटी हुई है।

आदिल करीब चार दिन पहले ही मुंबई से अपने घर आया था। उसकी पत्नी गर्भवती है। गुरुवार की शाम को आदिल ने घर पर खाना बनाया और पत्नी को खिलाया । इसके बाद वह घर से निकल गया। देर रात्रि उसका शव घर से करीब 800 मीटर दूर पानी की टंकी के पास मिलने की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही बाजार शुकुल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शरीर पर मिले झुलसने के निशानों के चलते आकाशीय बिजली की चपेट में आने की आशंका भी जताई जा रही है। वहीं, सिर पर चोट के निशान होने के कारण घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हैं।

बाजार शुकुल थाने के प्रभारी गजेंद्र सिंह ने शुक्रवार को बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

औरैया के जेसीज चौराहे पर पौधारोपण, फूलों की खुशबू से महकेगा शहर

औरैया।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में पर्यावरण संरक्षण और शहर को क्लीन-ग्रीन रखने के उद्देश्य से एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से चलाए जा रहे जीवनधारा पौधारोपण अभियान के तहत शुक्रवार सुबह शहर के अति व्यस्त पं. गेंदालाल दीक्षित (जेसीज) चौराहे पर पौधारोपण किया गया।

समिति अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) के नेतृत्व में पहले चौराहे पर साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इसके बाद चम्पा, सुंदररूपा, डबल चांदनी, क्रोटन और सदाबहार समेत विभिन्न प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधे लगाए गए। लोगों को उनकी पसंद के पौधे भी निशुल्क वितरित किए गए।

समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी समिति के सदस्यों को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि जेसीज चौराहा शहर का प्रमुख और अति व्यस्ततम चौराहा है, जहां से दिन-रात बड़ी संख्या में स्थानीय और दूरदराज के लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में यहां हरियाली और फूलों की प्राकृतिक सुंदरता शहर की पर्यावरण के प्रति सोच और जागरूकता का संदेश देगी।

उन्होंने बताया कि करीब 25 वर्ष पूर्व अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था जेसीज की औरैया शाखा की ओर से सड़क हादसे में दिवंगत सदस्य सुशील अग्रवाल (भोलू) की स्मृति में छतरीयुक्त चौराहा स्थापित कराया गया था। बाद में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से चौराहा क्षतिग्रस्त हो गया। तभी से इसे जेसीज चौराहा के नाम से जाना जाने लगा।

समिति की ओर से 5100 पौधे लगाने और वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक 5085 पौधों का पौधारोपण व वितरण किया जा चुका है। अगले सप्ताह लक्ष्य पूरा होने के बाद 20 सितंबर को देवकली मंदिर परिसर में पर्यावरण प्रहरियों और अभियान में सहयोग करने वाले पर्यावरण योद्धाओं का अभिनंदन कर जीवनधारा अभियान का समापन किया जाएगा।

'युवराष्ट्र' की भव्य मैराथन: हनुमान सेतु से 1090 चौराहे तक दौड़ा युवाओं का हुजूम

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 11 सितंबर के ऐतिहासिक दिन के मौके पर सड़कें युवाओं के जोश और राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आईं। 'युवराष्ट्र' की ओर से शुक्रवार को लखनऊ में एक भव्य मैराथन का आयोजन किया गया। इस दौड़ में राजधानी और आसपास के इलाकों से आए बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया।

मैराथन का शुभारंभ ऐतिहासिक हनुमान सेतु मंदिर के सामने से हुई। दौड़ की शुरूआत होते ही युवाओं का हुजूम लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ चला, जिसका समापन गोमती नगर स्थित 1090 चौराहे पर हुआ। मैराथन के पूरे रूट पर युवाओं में गजब का उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली। इस दौरान सभी प्रतिभागी 'युवराष्ट्र' के आधिकारिक लोगो वाली विशेष टी-शर्ट पहने हुए थे।

मैराथन के समापन पर 1090 चौराहे पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें दौड़ में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लखनऊ के विभाग प्रचारक अनिल प्रसिद्ध समाजसेवी, विनय श्रीवास्तव एवं अनिमेष उप्रेती विशरेष रुप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत में युवराष्ट्र के प्रांतीय पदाधिकारी सिद्धार्थ सिंह ने मंच पर मौजूद सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

पर्यटन मंत्री का जिला जेल में औचक निरीक्षण,मरीजों की चिकित्सा पर खास ध्यान देने के निर्देश

फरुर्खाबाद ।

पर्यटन एवं संस्कृति विभाग मंत्री, एवं जिले के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने जिला कारागार की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, भोजन व्यवस्था, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा कारागार परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कारागार में निरुद्ध बंदियों की संख्या, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पाकशाला में भोजन तैयार करने के लिए जिला कारागार में सुरक्षा व्यवस्था के लिए अन्य दायित्वों को पारदर्शिता अनुरूप रोस्टर के अनुसार बंदियों की ड्यूटी लगाई जाए, बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार रखी जाए। बंदी चिकित्सालय के निरीक्षण में निर्देश दिए गए कि पुरुष बंदी एवं महिला बंदियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उपचार प्रदान करें, इसके साथ संक्रमित एवं गंभीर रोग के मरीजों को साधारण मरीजों से अलग रखा जाए।

मंत्री ने निर्देश दिए कि कारागार में निरुद्ध बंदियों को शासन की मंशा के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ रखने तथा परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि कारागारों में सुरक्षा के साथ-साथ मानवीय एवं सुधारात्मक वातावरण भी उपलब्ध कराया जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अंकुर लाठर,एसपी आरती सिंह, जेल अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, चिकित्सक डॉ. नीरज सहित संबंधित अधिकारी एवं कारागार प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फरुर्खाबाद : जसमई पुलिया पर निर्माण कार्य शुरू, दिल्ली जाने वाला मार्ग डायवर्ट

फरुर्खाबाद।

उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद से कायमगंज और दिल्ली-आगरा जाने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। जसमई पुलिया पर निर्माण कार्य शुरू होने के कारण कायमगंज जाने वाला रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। इसके चलते इस रूट से गुजरने वाली निगम की बसों और अन्य वाहनों का रूट डायवर्ट किया गया है।

एटा-कायमगंज-फरुर्खाबाद मार्ग (राज्य मार्ग संख्या 121) पर जसमई तिराहे के पास स्थित अंडरपास पुलिया काफी खराब हो गई थी और सफर के लिए सुरक्षित नहीं रह गई थी। इसे देखते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नई पुलिया बनवाने का फैसला लिया। पुरानी पुलिया को तोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर बैरिकेडिंग और रूट डायवर्जन के बैनर लगा दिए गए हैं।

बदले रास्ते से जा रही बसें

कायमगंज मार्ग बंद होने के बाद, अब जो बसें कायमगंज होकर दिल्ली, एटा और आगरा जाती थीं, वे अब फरुर्खाबाद से मोहम्मदाबाद और नवाबगंज होकर अपनी मंजिल तक पहुंचेंगी। इसके अलावा, हरदोई और शाहजहांपुर से दिल्ली जाने वाली बसें भी इसी नए रास्ते से गुजरेंगी। इस रूट डायवर्जन की वजह से बसों और अन्य वाहनों को अब करीब 20 किलोमीटर का लंबा अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ेगा। इसके चलते यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में करीब एक घंटा ज्यादा समय लगेगा।

कोतवाल अजब सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था आज (शुक्रवार)से लागू कर दी गई है। उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि वे घर से निकलते समय इस नए रूट और अतिरिक्त समय को ध्यान में रखें।

सपा की देश के संविधान में आस्था नहीं, उन्हें सिर्फ निगेटिव एजेंडा चलाना है : भूपेंद्र चौधरी

अखिलेश यादव पर बीजेपी का तीखा हमला, पीडीए से लेकर रैली रद्द होने तक घेरा

लखनऊ।
समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों को लेकर योगी सरकार के मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने तीखा हमला बोला है। नेताओं ने सपा पर नकारात्मक राजनीति करने और चुनावी हार के लिए ईवीएम, पुलिस-प्रशासन तथा संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। साथ ही अखिलेश यादव के पीडीए के दावे और सपा की रैली रद्द होने को लेकर भी निशाना साधा।

कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की आस्था देश के संविधान में नहीं है। सपा को सिर्फ निगेटिव एजेंडा चलाना है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में हुई गुंडागर्दी, अराजकता, बेईमानी और भाई-भतीजावाद को जनता भलीभांति जानती है। सपा चुनाव जीतने पर इन मुद्दों की चर्चा नहीं करती, लेकिन हारने पर ईवीएम, पुलिस-प्रशासन और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाती है।

राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में विकास के साथ विरासत की भी सुरक्षा हो रही है। इसी वजह से अखिलेश यादव के पेट में दर्द हो रहा है। असली पीडीए भाजपा की केंद्र से लेकर प्रदेश तक की सरकारों में है।

सपा नेता हताश, कानून व्यवस्था से लोगों में विश्वास

यूपी अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया और तमाम नेता हताश हैं। योगी सरकार ने कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर कर लोगों में विश्वास पैदा करने का काम किया है। उन्हें लगता है कि यह समाजवादी पार्टी का अंतिम चुनाव है और पीडीए कोई नई पार्टी बनने जा रही है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि सत्ता से बाहर जाते ही सपा की पर्ची-खर्ची बंद हो गई, इसलिए आज उसे पीडीए याद आ रहा है। सपा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में चौरसिया, शाक्य और कुशवाहा समाज का अपमान होता है।

दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही सपा नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। जेन-जी की बात करने वाले अखिलेश यादव अपने शासनकाल में अपराधियों और माफियाओं पर मेहरबान थे। सपा सरकार में एक जिला-एक माफिया की पहचान बन गई थी। आज प्रदेश की जनता पर्ची-खर्ची नहीं, बल्कि सुशासन और विकास चाहती है और 2027 में भी जनता विकास व सुशासन के साथ भाजपा के पक्ष में खड़ी होगी।

सपा की रैली रद्द होने पर भी घेरा

अखिलेश यादव की रैली रद्द होने को लेकर भी योगी सरकार के मंत्रियों ने उन्हें आड़े हाथों लिया। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव जाना नहीं चाहते होंगे, इसलिए बहाना बना रहे हैं। पास में ही जेवर एयरपोर्ट है और वहां से जाने का विकल्प मौजूद था। इसके अलावा वहां छह लेन का हाईवे भी है। मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि अखिलेश यादव पहले कार्यक्रम जारी करते हैं और फिर खुद ही उसे रद्द कर देते हैं। अखिलेश यादव कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिलने को लेकर निराधार आरोप लगा रहे हैं।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम की अनुमति जिला प्रशासन देता है, सरकार नहीं। भाजपा सरकार में किसी को भी अपने कार्यक्रम करने से नहीं रोका जाता।

समाज दैनिक जीवन में भारत शब्द के प्रयोग को स्वीकार करे : डॉ. मनमोहन वैद्य

वाराणसी।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि राष्ट्रीय पहचान को लेकर समाज में स्पष्टता आवश्यक है। भारत अपने दो नामों के साथ आगे बढ़ रहा है। अब आवश्यकता है कि समाज अपने दैनिक जीवन में भारत शब्द के प्रयोग को सहज रूप से स्वीकार करे। जब ऐसा होगा तो इंडिया दैट इज भारत कहने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

डॉ. वैद्य गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, काशी महानगर की ओर से केंद्रीय कारागार मार्ग स्थित एक विद्यालय के सभागार में आयोजित प्रमुख जन संवाद संगोष्ठी को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सम्पूर्ण समाज का संगठन है। समाज एकात्म भाव से एकत्र हो, यही संघ की भावना है। संघ भारत के स्व का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा कि हमारी पहचान आध्यात्मिक है और इसी का नाम हिन्दुत्व है। संघ समाज जागरण, व्यवस्था परिवर्तन और व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है, जिसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है।

समय की कमी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हम यह नहीं कह सकते कि हमारे पास समय नहीं है। जिस प्रकार मछली पानी में रहती है, उसी प्रकार हम समय के मध्य में रहते हैं। इसलिए समाज और राष्ट्र के लिए योगदान देने की जिम्मेदारी सभी की है।

धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है: धर्म की अवधारणा पर डॉ. वैद्य ने कहा कि भारत में धर्म का अर्थ रिलीजन नहीं है। समाज को देना चैरिटी है और समाज को वापस लौटाना धर्म है। धर्म समाज को बांटता नहीं, बल्कि जोड़ता है। उन्होंने कहा कि एक ही घर में पांच लोगों की उपासना पद्धति अलग-अलग हो सकती है। भारत में रिलीजन का अर्थ उपासना से लिया जा सकता है, जबकि विविधता में एकता और अनेकता में ऐक्य देखना भारत के अंतर्निहित धर्म का स्वरूप है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति धर्मप्रवण और समाज धर्म आधारित होगा, तभी राष्ट्र मजबूत बनेगा।

दो साल की मासूम बच्ची को अगवा कर हत्या करने के दोषी को आजीवन कारावास

नोएडा।
जनपद गौतम बुद्ध नगर न्यायालय ने दो साल की बच्ची का अपहरण कर हत्या करने वाले आरोपी राघवेन्द्र सिंह उर्फ राघव को दोषी करार देते हुए गुरुवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 70 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अर्थदंड जमा न करने की स्थिति में उसे छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

डीसीजी अपराध ब्रह्मजीत सिंह भाटी ने बताया कि 7 अप्रैल 2023 को शिवकुमार की पत्नी मंजू अपनी दो साल की बेटी मानसी और सात माह के बेटे को घर पर छोड़कर बाजार गई थी। घर लौटने पर मानसी कमरे में नहीं मिली। अगले दिन शिवकुमार ने सूरजपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

परिवार गांव देवला में चरन सिंह के मकान में किराए पर रहता था, जहां आरोपी राघवेन्द्र भी कमरा नंबर-11 में अकेला रहता था। 9 अप्रैल को आरोपी के कमरे से दुर्गंध आने और दरवाजे के नीचे से खून रिसने की सूचना मिलने पर पुलिस ने ताला तोड़कर तलाशी ली। दरवाजे के पीछे टंगे एक बैग में मासूम मानसी का शव मिला। तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था। 11 अप्रैल को पुलिस ने उसे गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया, जब वह अपने पैतृक गांव बलिया भागने की फिराक में था। पूछताछ में उसने रसोई की स्लैब के नीचे छिपाई खून से सनी शॉल बरामद कराई, जिससे बच्ची का मुंह बांधकर गला घोंटा गया था। फॉरेंसिक जांच में शॉल पर मानव रक्त की पुष्टि हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण मुंह-नाक दबाकर और हाथ से गला दबाकर उत्पन्न श्वासावरोध बताया गया। यह मामला पूरी तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर टिका था, क्योंकि किसी चश्मदीद ने हत्या होते नहीं देखा था। अभियोजन ने कुल 12 गवाह पेश किए। बचाव पक्ष की ओर से पेश आरोपी की पत्नी रेखा सिंह की गवाही को अदालत ने अविश्वसनीय मानकर खारिज कर दिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नौकरी छूटने के बाद पैसों की तंगी में उसने पड़ोसी शिवकुमार के खाते में मौजूद 10-12 लाख रुपये की जानकारी मिलने पर बच्ची के अपहरण की साजिश रची थी।

10 लाख की फिरौती मांगने के इरादे से उसने मानसी को बंधक बनाया, लेकिन मामला तूल पकड़ता देख घबराहट में उसकी हत्या कर दी थी।

आपदाओं से निपटने की परखी जाएगी तैयारी, 18 सितंबर को होगी मेगा मॉक एक्सरसाइज

आपदा से निपटने की तैयारियों की होगी बड़ी परीक्षा, 34 जिलों में एक साथ चलेगा मेगा अभ्यास

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश को अधिक सुरक्षित और आपदारोधी राज्य बनाने की दिशा में 18 सितंबर को प्रदेश की 34 जिलों की 157 तहसीलों में राज्यव्यापी मेगा मॉक एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। इसमें भूकंप, रासायनिक रिसाव और आग जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारियों को वास्तविक परिस्थितियों के करीब जाकर परखा जाएगा। इस दौरान खोज एवं बचाव, सुरक्षित निकासी, चिकित्सा सहायता, राहत तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की व्यवस्था की भी जांच होगी।

इस मेगा अभ्यास से पहले उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से लखनऊ में दो दिवसीय संगोष्ठी एवं अभ्यास आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विभागों, विशेषज्ञ संस्थाओं और आपदा प्रतिक्रिया बलों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन भूकंप, औद्योगिक यानी रासायनिक और अग्नि आपदाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों ने अनुभव, तकनीकी जानकारी और बेहतर कार्यप्रणालियां साझा कीं। अग्नि और औद्योगिक आपदाओं से जुड़े मामलों के अध्ययन भी प्रस्तुत किए गए।

आपदा प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने कहा कि ऐसे अभ्यासों का उद्देश्य राज्य, मंडल और जिला स्तर पर आपदा प्रतिक्रिया तंत्र की वास्तविक समय में कार्यक्षमता को परखना, कमियों की पहचान करना और उन्हें समयबद्ध तरीके से दूर करना है। उन्होंने एकीकृत, त्वरित और प्रभावी आपदा प्रतिक्रिया व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया।

राजस्व विभाग की प्रमुख सचिव अर्पणा यू. ने कहा कि आपदा प्रबंधन का लक्ष्य केवल आपदा के बाद राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि आपदा से पहले जोखिम कम करना और समय रहते तैयारी सुनिश्चित करना है।

वहीं उत्तर प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं की अपर पुलिस महानिदेशक पद्मजा चौहान ने प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य, परिवहन, सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया बलों की क्षमताओं को एकीकृत करने पर जोर दिया।

आपदा के समय हर सेकेंड महत्वपूर्ण

पीएसी के पुलिस महानिदेशक डॉ. आलोक सिंह ने कहा कि आपदा के समय प्रत्येक सेकंड महत्वपूर्ण होता है। इसके लिए विभागों और एजेंसियों की भूमिका, कमान एवं नियंत्रण व्यवस्था तथा संसाधनों की उपलब्धता पहले से स्पष्ट और समन्वित होना जरूरी है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की सदस्य रीना सिंह ने उत्तर प्रदेश को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में बताया।

तेज रफ्तार कार कैंटर से टकराई, दो की मौत व एक घायल

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गाजियाबाद के वेव सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत महरौली के सामने एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कैंटर से जा टकराई। इस भीषण दुर्घटना में कार सवार दो भाइयों की जान चली गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।

घटना 10 सितंबर की देर रात की है। मेरठ से दिल्ली की ओर जा रही एक तेज रफ्तार टाटा जेस्ट कार ने एक्सप्रेसवे की बीच वाली लेन में चल रहे कैंटर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से संजयनगर स्थित जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने आगे की सीट पर बैठे दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि पिछली सीट पर बैठा युवक गंभीर रूप से घायल है। मृतक (चालक): सचिन कुमार (34) पुत्र धर्मवीर सिंह, मूल निवासी सिकंदरपुर ककोड़ी, बाबूगढ़ (हापुड़)। अनुज (32) पुत्र बचन सिंह, मूल निवासी ग्राम भरना, सिम्भावली (हापुड़) हैं। फिलहाल दोनों राणा जी एन्क्लेव, नजफगढ़ (दिल्ली) में रहते थे।सचिन और अनुज आपस में ममेरे-फुफेरे भाई थे। योगेन्द्र (30) पुत्र पुणे सिंह घायल है।

हादसे की सूचना मिलने के बाद घायल योगेन्द्र के भाई सुशील अस्पताल पहुंचे और बेहतर इलाज के लिए उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया हैं।

एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया था। फिलहाल पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। एसीपी ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पट्टीदारों के विवाद में दो भाइयों पर चाकू से हमला, एक की मौत

बलिया।
बलिया के उभांव थाना क्षेत्र के ग्राम सोनाडीह (दोथ) में गुरुवार की देररात दो पटीदारों के बीच हुए विवाद में दो सगे भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना में गंभीर रूप से घायल भाई अमरेश बहादुर सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनके भाई मंजेश सिंह को बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, घटना 10 सितंबर की रात करीब 10 बजे की है। अमरेश बहादुर सिंह और उनके भाई मंजेश सिंह के पटीदार रामकरण सिंह किसी बात को लेकर कथित रूप से गाली-गलौज कर रहे थे। दोनों भाइयों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। इसी दौरान रामकरण सिंह और उसके परिवार के अन्य सदस्यों ने दोनों भाइयों पर चाकू से हमला कर दिया।

हमले में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल सीएचसी उभांव (सियर) ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जनपद मऊ रेफर कर दिया गया। मऊ में उपचार के दौरान अमरेश बहादुर सिंह की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल मंजेश सिंह को बीएचयू वाराणसी भेजा गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक अमरेश बहादुर सिंह की पुत्री से मिली तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मामले में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी दिनेश कुमार शुक्ला ने घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने नामजद पांच अभियुक्तों में से घटना में संलिप्त तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। शेष दो आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

एसडीएम मंझनपुर का पेशकार गिरफ्तार

कौशांबी।
उत्तर प्रदेश के जनपद कौशांबी की मंझनपुर तहसील में एसडीएम के डिजिटल हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर आदेश जारी किए जाने के मामले में पेशकार कमलेश कुमार को मंझनपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है।

मामला करीब तीन माह पुराना बताया जा रहा है।

पश्चिम शरीरा क्षेत्र के अंसार बनाम राज्य सरकार प्रकरण में तलबी और भूमिधारी जमीन से संबंधित आदेश एसडीएम के डिजिटल हस्ताक्षर से जारी हुआ था।

देवरिया में बैंक हड़ताल से लगभग 600 करोड़ का कारोबार प्रभावित, कर्मचारियों ने किया पैदल मार्च

देवरिया।
यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को जिले के बैंक कर्मचारी और अधिकारियों ने एक दिवसीय बैंक हड़ताल की। हड़ताल के दौरान बैंक कर्मियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग कार्य सप्ताह लागू करने और पीएलआई में भेदभाव समाप्त करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने शहर में पैदल मार्च निकालकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

बैंक कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने से जिलेभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, एक दिन की हड़ताल से जिले में करीब लगभग 600 से 700 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ है। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपना एक दिन का वेतन स्वेच्छा से कटवाने की घोषणा भी की।

सभा को संबोधित करते हुए बैंक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग कार्य सप्ताह लागू करने और पीएलआई में भेदभाव समाप्त करने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके बावजूद मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है। उन्होंने सरकार से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व यूपीबीईयू के जिला सचिव रैथा प्रसाद ने किया। प्रदर्शन में विभिन्न बैंक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

इस दौरान शिवम त्रिपाठी, जावेद असलम लारी, नवनीत कुमार उपाध्याय, धनंजय सिंह, गिरजेश श्रीवास्तव, आरती मिश्रा, सूरज राय, शिवानी मिश्रा, सत्यप्रकाश सिंह, राजेश और राकेश सहित अन्य कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

बढ़ती महंगाई में 7500 रुपये मानदेय नाकाफी, 25 हजार करने को लेकर अड़े आयुष प्रशिक्षु

अयोध्या।
देवकाली स्थित राजकीय डॉ. बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में गुरुवार को उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब बीएचएमएस (BHMS) के इंटर्न छात्रों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया। आक्रोशित छात्रों ने अस्पताल की बाह्य रोगी विभाग (OPD) सेवाओं को पूरी तरह बंद कराकर मुख्य गेट पर तालाबंदी कर दी। इसके बाद छात्र परिसर में ही अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पर बैठ गए। सहसा ओपीडी बंद होने के कारण दूर-दराज से आए सैकड़ों मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

15 साल पुराना मानदेय ढांचा

बदलने की मांग

प्रदर्शनकारी छात्रों का नेतृत्व कर रहे प्रतिनिधियों ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से उनके स्टाइपेंड (मानदेय) की राशि में एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की गई है। वर्तमान में उन्हें महज 7,500 रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं, जो आज की कमरतोड़ महंगाई के दौर में पूरी तरह अपर्याप्त हैं। छात्रों की मांग है कि इस राशि को तत्काल प्रभाव से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिमाह किया जाए, ताकि वे अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी कर सकें।

प्रशासन को दी चेतावनी, मांग पूरी होने तक जारी रहेगा

आंदोलन को धार देते हुए छात्रों के एक शिष्टमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को अपनी मांगों के संदर्भ में एक ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक शासन स्तर से मानदेय वृद्धि का लिखित आश्वासन या आदेश जारी नहीं होता, तब तक उनका यह अनिश्चितकालीन धरना और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। प्राचार्य डॉ आशीष सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आंदोलनकारी छात्रों से वार्ता की। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं और मांगों से उच्च अधिकारियों व शासन को अवगत कराया जाएगा और नियमानुसार जल्द से जल्द समाधान का प्रयास किया जाएगा।

बीच सड़क चेयरमैन व पूर्व चेयरमैन में मारपीट, मचा हंगामा

महिला चेयरमैन व सपा की पूर्व चेयरमैन के बीच मारपीट का वीडियो वायरल

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कस्बा कुरारा के वार्ड नौ में गुरुवार को पानी निकास की व्यवस्था के लिए निरीक्षण करने गई चेयरमैन व पूर्व चेयरमैन के बीच वाद विवाद होने पर दोनों के बीच हाथापाई हो गई, तथा मारपीट हुई। वहां मौजूद लोगों ने बीच बचाव किया तथा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी। तब पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों पक्ष को थाने ले गई। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

कस्बा के बस स्टैंड के समीप वार्ड नौ में पूर्व चेयरमैन माया बाल्मीकि का मकान है। इनके मकान के आगे से जल निकासी के लिए नाली बनी हुई है।

बुधवार को नगर पंचायत के कर्मचारियों ने दीवार के आगे बनी नौ इंच की पट्टी को जे सी बी मशीन से तोड़ दिया था। जिसको इन्होंने दोबारा बना लिया था। गुरुवार को मोहल्ले के लोगों की शिकायत पर नगर पंचायत चेयरमैन आशारानी कबीर वहां पर निरीक्षण के लिए गई थी। जल निकासी की व्यवस्था के लिए पट्टी को तोड़ने के लिए जेसीबी मशीन लेकर गई थी वहीं पर दोनों के बीच विवाद हो गया तथा हाथापाई हो गई।

हर बूथ की नब्ज टटोलकर जीत की राह तलाशेगी भाजपा

प्रदेश महामंत्री का पदाधिकारियों को जीत का मंत्र—हर बूथ का अध्ययन करें, दस परिवारों से बनाएं मजबूत संपर्क

अयोध्या।
भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल ने पार्टी कार्यालय सहादतगंज में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं पूर्व पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पदाधिकारियों को आगामी चुनाव को लेकर अभी से बूथ स्तर पर सक्रिय होकर माइक्रो लेवल पर संगठन को मजबूत करने के निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए दिलीप पटेल ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ का गहन अध्ययन किया जाए। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में बूथवार मिले मतों का विश्लेषण कर कमजोर बूथों को चिन्हित किया जाए। जिन बूथों पर पार्टी को अपेक्षाकृत कम मत प्राप्त हुए हैं, वहां विशेष रणनीति के तहत कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि कमजोर बूथों पर प्रत्येक पदाधिकारी कम से कम दस नए परिवारों से निरंतर संपर्क स्थापित करें।

इन परिवारों से संवाद करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों तथा पार्टी की विचारधारा से उन्हें जोड़ने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती केवल बैठकों तक सीमित न रहे, बल्कि पदाधिकारी नियमित रूप से जनता के बीच पहुंचकर संवाद करें।

प्रदेश महामंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर लोगों से संवाद के दौरान वर्ष 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश की स्थिति और वर्तमान सरकार के कार्यकाल में आए बदलावों की चर्चा करें। पूर्व की सरकारों में बिजली दुर्व्यवस्था, भ्रष्टाचार, किसानों की समस्याओं और प्रदेश में व्याप्त अराजकता जैसे विषयों को जनता के सामने तथ्यों के साथ रखा जाए। साथ ही योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में हुए बदलाव और विकास कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाए।

राहत के इंतजार में रात तक प्रखंड मुख्यालय में डटे रहे बाढ़ पीड़ित

बड़हरा। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच राहत सामग्री के वितरण को लेकर समाजसेवी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए उपलब्ध कराई जा रही राहत सामग्री, विशेषकर तिरपाल शीट, का वितरण कई प्रभावित क्षेत्रों में सही तरीके से नहीं हो रहा है।

विश्वनाथ प्रताप सिंह ने कहा कि वह बाढ़ पीड़ितों के साथ बड़हरा प्रखंड कार्यालय पहुंचे थे, जहां बड़ी संख्या में महिला-पुरुष राहत की उम्मीद में मौजूद थे।

उनके अनुसार करीब 500 बाढ़ पीड़ित रात नौ बजे तक प्रखंड मुख्यालय में डटे रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगहों पर मुखिया के आने के बाद ही तिरपाल वितरण की बात कही जा रही थी। समाजसेवी ने कहा कि सरकारी राहत किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद बाढ़ पीड़ित के लिए है।

उन्होंने स्थानीय स्तर पर राहत वितरण में राजनीति किए जाने का आरोप लगाते हुए भोजपुर जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग की।

उन्होंने कहा कि जांच होनी चाहिए कि कितनी तिरपाल शीट भेजी गईं और उनका वितरण किन-किन प्रभावित क्षेत्रों में किया गया।

उन्होंने खवासपुर, जानकी बाजार के पास महादलित टोला, कचहरी टोला, नेगनाम टोला, महुदही, नथमलपुर, अवदान राय का टोला, शिवपुर, सबलपुर बाजार, बखोरापुर, सिन्हा, नरगदा, सलेमपुर, पीपरपांती, बबुरा, एकौना और बड़हरा सहित प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने की मांग की। उन्होंने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से राहत वितरण व्यवस्था में तत्काल सुधार कर।

निमार्णाधीन प्रखंड-अंचल कार्यालय के गड्ढे में डूबने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत

पीरो (आरा)। पीरो अनुमंडल कार्यालय के सामने निमार्णाधीन अंचल सह प्रखंड कार्यालय परिसर में बने गड्ढे में डूबने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

मृतक की पहचान पीरो नगर परिषद स्थित वार्ड 23 भागलपुर निवासी इमरान खां के आठ वर्षीय पुत्र मो. ईशान खां के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही पीरो थानाध्यक्ष नरोत्तमचंद व अपर थानाध्यक्ष पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने बच्चे को गड्ढे से निकलवाकर इलाज के लिए निजी क्लिनिक सिटी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया। ईशान तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था।

उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां की चीख-पुकार से पूरा भागलपुर गांव गमगीन हो उठा।

बैंककर्मी के परिजनों से मिले अशोक सिंह, दी सहायता राशि

बभनगावां पहुंचकर शोक संतप्त परिवार का बढ़ाया हौसला

बड़हरा। कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के बभनगावां गांव में बाढ़ के पानी में डूबकर जान गंवाने वाले बैंककर्मी आश्रित कुमार के परिजनों से राजद के पूर्व प्रत्याशी अशोक सिंह उर्फ रामबाबू सिंह ने मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिवार के बीच पहुंचकर अपनी संवेदना व्यक्त की और सहायता राशि प्रदान की। अशोक सिंह ने दुख की इस घड़ी में परिजनों को ढांढ़स बंधाते हुए कहा कि परिवार के साथ खड़ा रहना ही सबसे बड़ी मानवीय जिम्मेदारी है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत के समय हरसंभव सहयोग किया जाएगा। बताया जाता है कि अशोक सिंह उर्फ रामबाबू सिंह द्वारा क्षेत्र में बाढ़, आपदा अथवा अन्य विपरीत परिस्थितियों में जरूरतमंद परिवारों की लगातार सहायता की जाती रही है। वे पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करने का प्रयास करते हैं। स्थानीय लोगों ने भी उनके इस मानवीय पहल की सराहना की।

चोरी की तीन अपाची बाइक बरामद, चार शातिर गिरफ्तार

बबुरा पुलिस की कार्रवाई, गिरफ्तार आरोपितों का कई थानों में दर्ज है आपराधिक इतिहास

बड़हरा। पुलिस अधीक्षक भोजपुर के निर्देश पर जिले में वाहन चोरी, लूट, डकैती, चोरी एवं मादक पदार्थों की बरामदगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बबुरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने छापेमारी कर चोरी की तीन अपाची मोटरसाइकिल बरामद करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ बड़हरा, कोईलवर, संदेश व शाहपुर थाना समेत अन्य स्थानों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बाबुरा थाना पुलिस के अनुसार, 9 सितंबर को गुप्त सूचना के आधार पर कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के बगहीचा में छापेमारी की गई।

इस दौरान एक चोरी की अपाची मोटरसाइकिल इफ01डअ2660 के साथ दो अन्य अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद की गईं। पुलिस ने मौके से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया। मामले में बबुरा थाना कांड संख्या 78/26 दर्ज किया गया है। बरामद मोटरसाइकिलों में एक का संबंध शाहपुर थाना कांड संख्या 218/26 से भी बताया गया है। गिरफ्तार आरोपित

गिरफ्तार आरोपितों में राहुल कुमार पिता जितेंद्र प्रसाद, साकिन मखदूमपुर फूहां, थाना बड़हरा; विक्की कुमार, पिता सर्वजीत राय, साकिन कोल्हरामपुर, थाना बड़हरा; प्रेम शंकर उर्फ प्रेम कुमार, पिता निर्मल सिंह, साकिन पचैना बाजार, थाना कोईलवर तथा विकास कुमार, पिता सत्तार नट साकिन पचरुखिया कला, थाना बड़हरा, भोजपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार राहुल कुमार के खिलाफ बड़हरा थाना में कांड संख्या 264/24, 545/23 और 413/21 समेत जेल संबंधी एक मामला दर्ज है। विक्की कुमार के खिलाफ बड़हरा थाना के कांड संख्या 278/23 व 08/22, चोरी थाना कांड संख्या 74/24, उदवंतनगर थाना कांड संख्या 502/24 तथा शाहपुर थाना कांड संख्या 440/24 दर्ज है। वहीं प्रेम शंकर उर्फ प्रेम कुमार के खिलाफ संदेश थाना कांड संख्या 200/26 और कोईलवर थाना कांड संख्या 141/24 दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। तीन बाइक समेत चाबियां बरामद

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान लाल रंग की अपाची मोटरसाइकिल इफ03अड1263, काले रंग की अपाची इफ01डअ2660 और ब्लू रंग की अपाची इफ01खव0186 बरामद की है। इसके अलावा चोरी में इस्तेमाल की जाने वाली चार अलग-अलग मोटरसाइकिलों की चाबियां भी बरामद की गई हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर वाहन चोरी की अन्य घटनाओं और गिरोह से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मामले में अग्रिम कार्रवाई करते हुए आरोपितों को न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेजा जा रहा है।

प्रतिकूल मौसम में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे विधायक, राहत कार्यों का लिया जायजा

बड़हरा। प्रखंड में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को केशोपुर से एसडीआरएफ की नाव के जरिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने बखोरापुर, सिन्हा, गजियापुर और जोकहरी पंचायतों के विभिन्न स्थानों पर संचालित सामुदायिक रसोई का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ पीड़ितों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं, अस्थायी राहत शिविरों में रह रहे लोगों से मिलकर उनका हाल जाना और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। दौरे के दौरान तेज धूप और बारिश के बीच विधायक लगातार प्रभावित इलाकों में सक्रिय रहे। उन्होंने कहा कि बाढ़ की इस आपदा में उनकी पूरी टीम 24 घंटे लोगों की सेवा के लिए तत्पर है।

किसी भी समस्या की सूचना मिलने पर तत्काल समाधान का प्रयास किया जाएगा। मृतक आश्रितों को चार-चार लाख का चेक

इससे पहले मंगलवार को विधायक ने अंचलाधिकारी के साथ बाढ़ में डूबने से मृत बभनगांव के आश्रित कुमार और बबुरा के कुंवर पासवान के परिजनों से मुलाकात की। मृतकों के परिजन दिनेश कुमार और शांति देवी को आपदा सहायता के तहत चार-चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। विधायक ने शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ पीड़ितों को सरकार की ओर से मिलने वाली राहत और सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है और जरूरत के अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाई जाएगी। इस दौरान पंचायती राज पदाधिकारी, समाजसेवी यशवंत नारायण, सन्नी सिंह, सौदागर बिंद समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला पदाधिकारी ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की

आरा। जिला पदाधिकारी भोजपुर मनेश कुमार मीणा द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के संबंधित पदाधिकारियों के साथ बाढ़ की स्थिति तथा राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित पदाधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति, राहत-बचाव कार्यों एवं उपलब्ध कराई जा रही आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सभी नोडल पदाधिकारियों को अपने आवंटित अंचलों एवं पंचायतों का भ्रमण कर राहत एवं बचाव कार्यों का अनुश्रवण करने तथा संधारित पंजी का भी अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया। सम्पूर्ति पोर्टल से संबंधित कार्यों को कैंप मोड में समयबद्ध रूप से पूरा करने को कहा गया। सिविल सर्जन को प्रभावित क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव, हैलोजन टैबलेट एवं अन्य आवश्यक उपायों के माध्यम से जलजनित बीमारियों की रोकथाम हेतु कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। आरसीडी एवं आरडब्लुडी को जलस्तर में कमी के साथ क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण एवं मरम्मत की कार्रवाई प्रारंभ करने, कृषि पदाधिकारी को कृषि क्षति का आकलन करने तथा एफसीडी को कटाव निरोधक कार्य सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

वर्तमान में जिले के 6 अंचलों की 65 पंचायतें प्रभावित हैं। 93 सामुदायिक रसोई, 254 निजी नाव, एसडीआरएफ की 6 मोटर बोट एवं 4 बोट एंबुलेंस कार्यरत हैं। 27 मेडिकल कैंप के माध्यम से आज 4300 लोगों का उपचार किया गया तथा 6 पशु स्वास्थ्य शिविर संचालित हैं। अब तक 34,500 पॉलिथीन शीट्स एवं 11,100 हैलोजन टैबलेट्स वितरित किए गए हैं।

गुरुवार को 19 स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया। पशुओं के लिए अब तक 1,545 क्विंटल पशुचारा वितरित किया गया है। आवश्यकता वाले क्षेत्रों का चिन्हांकन कर अतिरिक्त पशुचारा उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार राहत एवं सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाए तथा सभी पदाधिकारी सतत निगरानी एवं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

अभय यादव हत्याकांड में शामिल आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग, सैकड़ों लोग कैंडल मार्च में हुए शामिल

जगदीशपुर। जगदीशपुर अभय यादव हत्याकांड में शामिल आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज बुधवार को जगदीशपुर में सैकड़ों लोगों ने विशाल कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च की शुरूआत वीर कुंवर सिंह किला मैदान से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं समेत नगर के लोगों ने हाथों में तख्ती और बैनर लिए शांतिपूर्वक भाग लिया। मार्च के दौरान लोगों ने अभय यादव के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की।

बताया जाता है कि जगदीशपुर नगर के वार्ड नंबर 12 निवासी मनोज यादव के पुत्र अभय यादव को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदूनी मोड़ के समीप नामजद अपराधियों ने सीने में गोली मारकर हत्या कर दी थी। जब अपने दोस्तों के साथ चाय पीने गए थे। इसके बाद अभय यादव की मां के द्वारा पांच लोगों के विरुद्ध जगदीशपुर थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई थी।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने 4 सितंबर को शव को सड़क पर रखकर तथा आगजनी करते हुए नया टोला मोड़ को जाम कर दिया था। उस दौरान लोगों ने पुलिस-प्रशासन से हत्याकांड में शामिल सभी आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। अभय के पिता मनोज यादव और चाचा विनोद कुमार सिंह ने कहा कि घटना को पांच दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी भी आरोपित की गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने पुलिस से जल्द कार्रवाई कर सभी आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो परिजन और स्थानीय लोग इससे बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। कैंडल मार्च में शामिल लोगों ने अभय यादव को श्रद्धांजलि देते हुए न्याय की मांग की। कैंडल मार्च में जगदीशपुर नगर सहित आसपास के लोग भी इस कैंडल मार्च में शामिल हुए।

भोजपुर के 2.77 लाख पेंशनधारियों के खाते में 33 करोड़ की पेंशन राशि अंतरित

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डीबीटी के माध्यम से किया पेंशन राशि का भुगतान

आरा (भोजपुर)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से पेंशन राशि अंतरित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार जरूरतमंद एवं पात्र लाभुकों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

डीबीटी से सीधे बैंक खातों में राशि पहुंचने से व्यवस्था पारदर्शी और सुगम हुई है। इसी क्रम में भोजपुर के 2,77,312 पेंशनधारियों के खातों में कुल 33 करोड़ 59 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। जिला पदाधिकारी मनेश कुमार मीणा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों को समय पर पेंशन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेंशन से जुड़े मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग सहित संबंधित पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पेंशनधारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

जगदीशपुर विधानसभा में 1.45 करोड़ की 16 योजनाओं का शिलान्यास

मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया शिलान्यास

जगदीशपुर। योजना एवं विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र में करीब 1 करोड़ 45 लाख रुपये की 16 योजनाओं का शिलान्यास किया। जगदीशपुर अनुमंडल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जगदीशपुर प्रखंड की नौ तथा पीरो प्रखंड की सात योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

इसके बाद मंत्री जगदीशपुर नगर के वार्ड संख्या सात में आयोजित किन्नर समाज के सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस दौरान किन्नर समाज की सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए राखी बांधी और लंबी उम्र की कामना की। पटना से पहुंचीं ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता रेशमा प्रसाद ने सरकार द्वारा ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता पीरो प्रखंड अध्यक्ष अक्षय लाल चौधरी ने की, जबकि संचालन जगदीशपुर प्रखंड अध्यक्ष अनुप पटेल ने किया। मौके पर एसडीओ ओम प्रकाश लाल, पीरो बीडीओ अशोक कुमार, पीरो सीओ रविश कुमार, जगदीशपुर बीडीओ क्रांति कुमार, जगदीशपुर सीओ संजय यादव, आलोक राय, अशोक राय, राजेश प्रजापति, दीपू कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष मुकेश कुमार गुड्डू, विनय मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आयशा की सातवीं वर्षगांठ पर बच्चों के बीच बांटी गईं शैक्षणिक सामग्री

बड़हरा (आरा)। आयशा को-ऑपरेटिव सोसाइटी के बैनर तले आयशा अली की सातवीं वर्षगांठ के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय रामशहर के प्रांगण में शैक्षणिक सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोसाइटी के फाउंडर मो. शौकत अली ने सैकड़ों छात्र-छात्राओं के बीच कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को निःशुल्क कॉपी, कलम, पेन, पेंसिल, स्लेट, चॉक और किताबें वितरित कीं। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम के दौरान मो. शौकत अली ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने से उनके शैक्षणिक विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने बच्चों से नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की।

इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय रामशहर की प्रधान शिक्षिका संगीता कुमारी, न्यू प्राथमिक विद्यालय चमन के डेरा बड़हरा के प्रधान शिक्षक श्रवण कुमार सिंह, कन्या प्राथमिक विद्यालय फरहदा के प्रधान शिक्षक अमित कुमार, वरीय शिक्षक रघुवंश सिंह, उर्दू प्राथमिक विद्यालय गुंडी के शिक्षक कमलेश कुमार शुक्ला, शिक्षक मो. फिरोज आलम एवं मोइन खान समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

न तामझाम, न प्रचारङ्क बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचीं पूर्व आईपीएस काम्या मिश्रा

400 से अधिक परिवारों को बांटी राहत

बड़हरा। गंगा के उफान से बड़हरा प्रखंड में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सैकड़ों परिवार बाढ़ के पानी से घिरे हैं और जरूरी सामान के लिए जूझ रहे हैं। ऐसे संकट के बीच भोजपुर एसपी अवधेश दीक्षित की पत्नी एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा बिना किसी तामझाम और प्रचार के सीधे बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचीं और जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाई।

काम्या मिश्रा केशवपुर घाट से नाव के सहारे बाढ़ प्रभावित सुदूर इलाकों नेकनाम टोला, शालिग्राम सिंह का टोला, बखोरापुर और जिबा राय के टोला पहुंचीं।

यहां उन्होंने अपने हाथों से 400 से अधिक बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। राहत सामग्री में आवश्यक राशन के साथ महिलाओं और किशोरियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सैनिटरी पैड भी शामिल किए गए। राहत वितरण के दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से उनकी समस्याएं जानीं और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उनकी सादगी और सहज व्यवहार ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

खास बात यह रही कि राहत वितरण के दौरान उन्होंने न तो मीडिया को कोई बयान दिया और न ही तस्वीरें खिंचवाईं। सामने आई तस्वीरें भी स्थानीय ग्रामीणों ने अपने मोबाइल से लीं।

बिना दिखावे और प्रचार के जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर सेवा करना उनकी इस पहल को मानवीय संवेदना और सामाजिक सरोकार की मिसाल बना गया।

103 वर्ष पुराने मौनिया बाबा मेले का भव्य शुभारंभ, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सीवान। महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में 103 वर्ष पुराने ऐतिहासिक मौनिया बाबा मेला सह राजकीय महोत्सव 2026 का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ।

महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर महाराजगंज विधायक हेमनारायण साह, जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, डीडीसी, एसडीएम महाराजगंज समेत कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। उद्घाटन से पहले मौनिया बाबा के समाधि स्थल पर पूजा-अर्चना की गयी। इसके बाद स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों ने मौजूद लोगों का मन मोह लिया।

प्रशासन के अनुसार महाराजगंज का मौनिया बाबा मेला वर्ष 1923 से भादो अमावस्या के अवसर पर आयोजित होता आ रहा है। उत्तर बिहार के प्रसिद्ध मेलों में शामिल इस मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। वर्ष 2025 में इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा मिलने के बाद मेले की गरिमा और महत्व और बढ़ा है।

सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि राजकीय मेले का दर्जा मिलने से मौनिया बाबा मेले की पारंपरिक पहचान को नई प्रतिष्ठा मिली है। यह मेला अब सीवान की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। मेले में करीब 23 महावीरी अखाड़े भी भाग लेते हैं। जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा और एसपी भारत सोनी ने शांति समिति के सदस्यों से अखाड़ों के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

अधिकारियों ने कहा कि अखाड़ा निकालने के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि राजकीय दर्जा मिलने के बाद मौनिया बाबा मेला पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं को भी मजबूत कर रहा है। मेले की बुनियादी संरचना को बेहतर और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि आने वाले समय में यह मेला सीवान की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के रूप में और मजबूत होगा। मेला परिसर में लकड़ी और लोहे से बनी पारंपरिक वस्तुओं की भी बड़ी मांग रहती है। यहां अलमारी, संदूक, ओखल और मूसल सहित कई घरेलू सामानों की खरीद-बिक्री होती है।

न्यूज फ्लैश

बदमाशों ने कारोबारी से रुपयों से भरा बैग छीना पुलिस टीमें जांच में जुटी

दिल्ली

नई दिल्ली ' शाहदरा डिस्ट्रिक के कृष्णा नगर थाना क्षेत्र मे शुक्रवार को स्कूटी सवार चार बदमाशों ने व्यापारी से पैसो का बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए ' घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है , शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आर पी मीणा ने बताया शुक्रवार सुबह करीब 11. 30 बजे कृष्णा नगर थाना पुलिस को बैग छीनने की सूचना मिली थी बैग मे करीब 30 लाख रुपयों बताए गए ' पीड़ित संजय जैन ने बताया वह अपने घर से गाँधी नगर की तरफ जा रहे थे जब वह कृष्णा नगर के ई ब्लॉक पहुंचे, तभी स्कूटी सवार चार लोगों ने उनको रोका और उनसे नगदी वाला बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए ' कृष्णा नगर थाना पुलिस ने सम्बंधित धाराओं मे मामला दर्ज कर लिया है 'आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज के साथ अन्य साक्ष्य जुटा रही है और इनकी गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमें तैनात की है ' दिनदहाड़े हुई इस घटना से लोगों मे काफी रोष है और यह घटना सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करती है पुलिस द्वारा मामले में जांच जारी

कनपटी पर गोली मारकर 32 वर्षीय युवक ने अपनी जीवन लीला समाप्त की

दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के जोहरीपुर गली नंबर 1, 30 फुटा रोड नियर शिव मंदिर के पास फायरिंग की घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि गोली लगने से घायल हुई महिला राजवती को परिवार द्वारा उपचार के लिए पहले ही राजीव गांधी अस्पताल ले जाया गया है, घर की पहली मंजिल पर नीरज उम्र 32 वर्ष पुत्र लीलाराम, गांव खड़खड़ी लोनी निवासी वर्तमान पता जोहरीपुर गली नंबर 1 30 फुटा रोड नियर शिव मंदिर, अपने एक कमरे के अंदर खून से लथपत हालत में पड़ा मिला पास में एक रिवाल्वर पड़ी मिली, शुरूआती जांच में रिवाल्वर का लाइसेंस मृतक नीरज के पिता लीलाराम के नाम पर पाया गया, मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जरूरी इकट्ठा किये पुलिस द्वारा परिवार के बयान के मुताबिक नीरज ने कमरा अंदर से बंद कर लिया था गोली की आवाज सुनकर वे कमरे में पहुंचे, दरवाजा तोड़ा और नीरज को घायल हालत में फर्श पर पड़ा पाया, इसके अनुसार पुलिस थाना गोकलपुरी में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गईं मृतक नीरज की बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए जी टीवी अस्पताल ले जाया गया, पुलिस द्वारा जांच में महिला राजवती से पूछताछ के दौरान पता चला कि राजवती के घर की सीढ़ियां नीरज के घर की बालकनी से साफ दिखाई देती है घायल, महिला के परिवार से बातचीत के दौरान पता चला कि सुबह करीब 7 7:15 बजे नीरज ने महिला को आवाज देकर बुलाया और मिट्टी का घड़ा हांडी मांगा क्योंकि उसका परिवार मिट्टी के घड़े बेचने का काम करता है, जब वह उससे बात कर रही थी और अपने घर की पहली मंजिल की और सीडीओ पर चल रही थी तो नीरज ने पीछे से उस पर गोली चला दी, जिससे उसके दाहिने घुटने के पिछले हिस्से पर गोली की रगड़ लगकर निकल गई, पुलिस व परिवार, मामले में मिले सबूत के आधार पर अनुमान लगा रहा है की नीरज उम्र 32 वर्ष गोलियां चलाईं, जो की महिला को मारने के इरादे से नहीं चलाई गई थीं महिला के घुटने के पिछले हिस्से में गोली लगने का अंदेशा होने पर नीरज ने अपनी कनपटी पर गोली मारकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, नीरज की एक ढाई वर्ष की बेटी है और बताया जा रहा है नीरज की धर्मपत्नी भी कुछ महीने की गर्भवती है नीरज एक प्रतिष्ठित कॉलेज से (एलएलबी) छठ्ठ वकालत की पढ़ाई कर रहा था और उसका 2026 लास्ट वार्षिक परीक्षा होने को थी, मामले में पुलिस द्वारा जांच जारी है

सीसीटीवी फुटेज बनी पुलिस की तीसरी आंख चैन स्नेचिंग का मामला सुलझाया गया

दिल्ली

उत्तर पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा थाना क्षेत्र यमुना विहार में चेन स्नेचिंग की घटना को पुलिस टीम ने निरंतर प्रयास के चलते सुलझा लिया है मामला 7.9.2026 का है शिकायतकर्ता महिला ने बताया कि जब वह मोरल हॉस्पिटल की तरफ से पंचशील अस्पताल की तरफ पैदल जा रही थी, तो पीछे से मोटरसाइकिल पर आए दो लोग जो की बजाज फ्रीडम ठ्ठ04 मोटरसाइकिल पर थे शिकायतकर्ता महिला की सोने की चैन गले से झपटकर मोटर साइकिल की स्पीड बढ़ाकर मौके से फरार हो गए, मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर सत्यवान लठवाल थाना अध्यक्ष भजनपुरा द्वारा गठित की गई टीम एसआई निहित फोगाट,एचसी सचिन, कपिल, कुलदीप, सीटी दिनेश, ने एसीपी भजनपुरा की देखरेख में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, को बारिकी से स्कैन विश्लेषण किया आरोपियों द्वारा मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट टेप से छिपा रखी थी ताकि नंबर की पहचान ना हो सके, पुलिस टीम ने आरोपियों के आने व जाने के रास्ते

को बारीकी देखा और सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज को बारीकी से स्कैन विशेषण किया जमीनी स्तर पर मुखवीरों से भी सहायता ली गई पुलिस टीम के निरंतर प्रयास के चलते, घटना को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल की पहचान की गई,मोटरसाइकिल ? पर सवार लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम द्वारा भजनपुरा यमुना विहार इलाके में रूटिंग जांच की तरह एक जाल बिछाया गया, संदिग्धों को इस मोटरसाइकिल पर सवार होकर जाते देखा और पकड़ा पकड़े गए आरोपियों की पहचान शोएब अली उम्र 33 वर्ष पुत्र कौसर अली कबूतर मार्केट वेलकम दिल्ली दूसरा फैजल उर्फ सोनू, उम्र 28 वर्ष पुत्र मोहम्मद अली गली नंबर 1 कबीर नगर वेलकम दिल्ली के रूप में हुई, पुलिस द्वारा जांच में आरोपी सोनू चोरी से जुड़े चार मामलों में शामिल पाया गया, आरोपियों की निशानदेही पर पीड़ित से छीनी गई सोने की चैन बरामद की गईं अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जप्त की गई पुलिस द्वारा आरोपियों के अन्य मामलों में भी शामिल होने की जांच जारी है

चेकिंग के दौरान भागे बदमाशों ने पुलिस पर की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में दो घायल

गाजियाबाद। थाना सिहानीगेट पुलिस ने आपराधिक वारदात की फिराक में घूम रहे तीन शातिर चोर-लुटेरों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो अभियुक्त गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे आरोपी को पुलिस टीम ने मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो अवैध देशी तमंचे 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, एक मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर बाइक बरामद की गई है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की घेराबंदी

पुलिस के अनुसार, दिनांक 10/11 सितंबर 2026 की रात थाना सिहानीगेट पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फैक्ट्री एरिया में एक बाइक पर सवार तीन व्यक्ति किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना में यह भी बताया गया कि उनके पास अवैध हथियार हो सकते हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने मंगल पांडे मार्ग पर लोहियानगर स्थित सी-ब्लॉक कट के पास चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान पुलिस को एक बाइक पर तीन संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस को देखकर तीनों आरोपी बाइक लेकर भागने लगे।

भागने के दौरान बाइक फिसलने से तीनों आरोपी सड़क पर गिर गए। पुलिस टीम ने मौके पर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि दो आरोपी भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया तो दोनों बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।पुलिस के मुताबिक, अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे घायल होकर गिर पड़े। पुलिस ने दोनों को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया तथा उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तपुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहरूख उर्फ इमरान पुत्र नसीम उर्फ भूरा, निवासी धर्मपुरा, कस्बा सरधना, मेरठ, हाल निवासी रफीकाबाद डासना, थाना मसूरी के रूप में की है। वह मुठभेड़ में घायल हुआ है।दूसरे आरोपी की पहचान इमरान पुत्र शहीद उर्फ सईद, निवासी धोबी वाली गली, रफीकाबाद डासना, थाना मसूरी, के रूप में हुई है। वह भी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हुआ है।तीसरे आरोपी की पहचान सोनू पुत्र स्वर्गीय अब्दुल सत्तार, मूल निवासी ग्राम घूँघराला, थाना हफीजपुर, जनपद हापुड़, हाल निवासी मयूर विहार, नूरानी मस्जिद के पास, थाना मसूरी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी शाहरूख उर्फ इमरान के खिलाफ हत्या, चोरी और हत्या के प्रयास समेत कुल 13 अभियोग दर्ज हैं। वहीं आरोपी इमरान पुत्र शहीद उर्फ सईद के खिलाफ लूट, अवैध शस्त्र और चोरी समेत कुल चार मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस द्वारा तीनों आरोपियों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर ब्रह्मसरोवर पर होगा 500 ड्रोनों का भव्य ड्रोन शो

कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत 17 सितंबर को ब्रह्मसरोवर पर सायं के समय 500 ड्रोनों का भव्य ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा। इस ड्रोन शो के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। इस ड्रोन शो के अलावा विशाल रंगोली, रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा शुक्रवार को देर सायं उपायुक्त कार्यालय में ड्रोन शो के भव्य कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने गठित कमेटी के सदस्यों को चर्चा के दौरान कहा कि ड्रोन शो के भव्य आयोजन के लिए देश की जानी मानी एजेंसियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह एजेंसियां जिला प्रशासन के पास 12 सितंबर को सायं 3 बजे तक तमाम शर्तों व बजट के साथ अपना आवेदन जमा करवा सकते हैं। इस आवेदन के आधार पर नियमानुसार अच्छी एजेंसी को ड्रोन शो करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

उपायुक्त् विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि ब्रह्मसरोवर को भव्य रंग बिरंगी लाइटों से सजाया जाएगा। कार्यक्रम में शहर के तमाम नागरिकों, पार्षदों, जन प्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा शहर की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं को भी निमंत्रण दिया जा रहा है।

जीआरपी थाना आगरा कैण्ट की जीवनरक्षक टीम को डीजी रेलवे ने प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार प्रदान कर किया गया उत्साहवर्धन

लखनऊ। राजकीय रेलवे पुलिस मुख्यालय लखनऊ से प्राप्त जानकारी के अनुसार जीआरपी थाना आगरा कैण्ट पर तैनात उ0नि0 अंकुज धामा, मु0आ0 सत्येन्द्र सिंह व आरक्षी लवकुश द्वारा दिनांक 09.09.2026 को एक यात्री के जीवन की रक्षा की गई थी।

आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-05 पर साबरमती एक्सप्रेस के पहुंचने के दौरान एक यात्री का पैर ट्रेन एवं प्लेटफार्म के बीच फंस गया। पैर फंसने के कारण यात्री चलती ट्रेन की चपेट में आकर रेलवे ट्रैक की ओर जाने लगा। जिसे प्लेटफार्म ड्यूटी पर तैनात उ0नि0 अंकुज धामा, मु0आ0 सत्येन्द्र सिंह व आरक्षी लवकुश द्वारा तत्परता व अदम्य साहस दिखाते हुए उक्त यात्री के जीवन की रक्षा की गई। मौके पर उपस्थित लोगों द्वारा भूरि-भूरि प्रसंशा भी की गई थी।

उ0नि0 अंकुज धामा, मु0आ0 सत्येन्द्र सिंह व आरक्षी लवकुश द्वारा किये गए इस मानवीय/सराहनीय कार्य हेतु पुलिस महानिदेशक रेलवे उत्तर प्रदेश प्रकाश डी0 द्वारा आज जीआरपी मुख्यालय लखनऊ में प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।

शिकायतों के निस्तारण में नहीं चलेगी लापरवाही, एसीपी ने फरियादियों की सुनी समस्याएं

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में आमजन की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण को लेकर पुलिस अधिकारी लगातार गंभीरता बरत रहे हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने अपने कार्यालय पर शिकायत लेकर पहुंचे व्यक्तियों से सीधे वार्ता कर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना। राजकरन नैय्यर ने प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रकरण की जानकारी ली और समस्या के

संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए और प्रत्येक प्रकरण में तथ्यों की जांच कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने फरियादियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए भरोसा दिलाते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई की जिम्मेदारी सौंपी। पुलिस अधिकारियों द्वारा इस तरह सीधे आमजन की शिकायतें सुनने से पुलिस और जनता के बीच संवाद एवं विश्वास को मजबूत करने में मदद मिल रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

माओवाद मुक्त क्षेत्र से अब ग्रामीणों की आवाज, गांव में सड़क व स्वास्थ्य चाहिए, सड़क बन जायेगी तो मरीज को खाट में लाद कर नहीं लाना पड़ेगा

बीजापुर

जिले के मद्देड़ थाना क्षेत्र के माओवाद मुक्त ग्राम बंदेपारा में सड़क सुविधा की बदहाली और कीचड़युक्त से भरे रास्ते ने एक बार फिर ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बन गई है। बंदे पारा गांव में आपात स्थिति के दौरान मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बंदे पारा के एक ग्रामीण युवक ने अपनी दर्द भरी दास्तां साझा करते हुए बताया की महिलाओं के गर्भवती मामले में प्रसव पीड़ा के समय मुख्य सड़क तक पहुंचाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इसी तरह बंदे पारा के नवजात एक बच्ची को खाट में

लाद कर परिजन इमरजेंसी में अस्पताल पहुंचने के लिए निकले, लेकिन गांव तक सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस को भी पहुंचने में दिक्कत हुई लंबे पैदल सफर से नवजात बच्ची की जान पर आफत आन पड़ी। जानकारी अनुसार परिजनों ने रात में बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले आये। ग्रामीण युवक के अनुसार इमर्जेंसी में एंबुलेंस को फोन करने के बाद वह समय पर पहुंची, लेकिन गांव तक सड़क की स्थिति इतनी ज्यादा खराब होने के कारण बच्ची को खाट में लिटाकर लाने में काफी समय लग गया। लगभग 10-12 किमी पैदल चलकर बच्ची को बाहर मुख्य सड़क तक लाने में शाम हो गई।

इसके बाद सोमनपल्ली गांव पहुंचने में रात के करीब 8 बज गए। युवक का सवाल है कि यदि गांव तक सड़क सही होती तो बच्ची को समय पर उपचार मिल सकता था। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या केवल आवागमन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की जिंदगी से जुड़ी हुई है। ग्रामीणों ने पंचायत और प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है। भविष्य में किसी परिवार को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े। बंदे पारा गांव माओवादियों का गढ़ माना जाता था। इस गांव में किसी भी नये लोगों के लिए प्रवेश वर्जित रहा। माओवाद मुक्त क्षेत्र होने के बाद ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, स्वास्थ्य के लिए गुहार लगाई है। नदी नाले वाले इस सड़क पर लकड़ी की पुलिया बनाकर ग्रामीण आना-जाना करते रहे।

पुसनार पोटाकेबिन में आदिवासी बच्ची की जिंदगी से सौदा - पीलिया से तड़पती सरिता को नहीं मिली एंबुलेंस, बस में ठूंस कर भेजा, पिता से वसूला किराया

बीजापुर

जिले के भैरमगढ़ क्षेत्र स्थित पुसनार पोटाकेबिन में एक मासूम आदिवासी बच्ची की बीमारी ने शासन की पूरी छात्रावास व्यवस्था की पोल खोल दी है। तीसरी कक्षा की छात्रा सरिता बेड़का पीलिया से पीड़ित होकर छात्रावास में तड़पती रही, लेकिन उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए न 108 एंबुलेंस बुलाई गई, न ही विभाग का एक भी सरकारी वाहन उपलब्ध कराया गया। परिजनों का आरोप है कि तबीयत बिगड़ने की सूचना के बाद भी प्रबंधन ने हाथ खड़े कर दिए। अंत में मजबूरी में बच्ची को यात्री बस से अस्पताल भेजा गया और हद तो तब हो गई जब उस बस का किराया भी गरीब पिता ने अपनी जेब से भरा। क्या सरकार ने पोटाकेबिन आदिवासी बच्चों के इलाज के लिए खोले हैं या उनके मां-बाप से किराया वसूलने के लिए?

इस पूरे मामले में पोटाकेबिन की

अधीक्षक सुधा निषाद की भूमिका सबसे ज्यादा शर्मनाक रही। आरोप है कि बच्ची को बीमार हालत में अस्पताल भेजने के बाद अधीक्षिका ने यह जानने की भी जहमत नहीं उठाई कि बच्ची किस हालत मै है न खुद अस्पताल गईं, न डॉक्टरों से संपर्क किया, न परिजनों को ढांढस बंधाया। जिस अधीक्षिका को पोटाकेबिन में बच्चों की मां कहा जाता है, उसी ने एक बीमार बच्ची को लावारिस की तरह छोड़ दिया। अगर यह लापरवाही नहीं तो क्या है?

सिस्टम से सीधे सवाल -

1. जब पोटाकेबिन में रहने वाले बच्चे बीमार पड़ते हैं तो उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाने की क्या व्यवस्था है? क्या सिर्फ कागजों पर 108 और सरकारी वाहन हैं?

2. एक गंभीर पीलिया पीड़ित बच्ची को बस में भेजना क्या उसकी जान जोखिम में डालना नहीं है?

3. बस का किराया पिता से वसूला गया तो पोटाकेबिन का आकस्मिक निधि और परिवहन मद का पैसा कहां जा रहा है?

यह घटना एक बच्ची की नहीं, बल्कि पुसनार पोटाकेबिन में रह रहे सैकड़ों आदिवासी बच्चों की सुरक्षा पर सवाल है। कलेक्टर बीजापुर और सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर पुसनार पोटाकेबिन के वाहन लॉगबुक, दवा रजिस्टर और अधीक्षिका सुधा निषाद की भूमिका की जांच कर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। इस मामले में अधीक्षिका सुधा निषाद और विभागीय अधिकारियों का पक्ष आना अभी शेष है।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुक्की ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

सत्य निकेतन इमारत हादसे के बाद निगम उठा अपनी नींद से

नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में सत्य निकेतन इलाके में बिल्डिंग हादसे के बाद निगम विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। इस दर्दनाक हादसे को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम की टीम शहर में चारों तरफ गश्त कर अवैध निर्माण कार्यो को चिह्नित कर रही है, ताकि अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जा सकें और बिना अनुमति के अवैध मकानों को सीज किया जा सके,

बता दें कि 6 सितंबर की दोपहर को सत्य निकेतन इलाके में एक बेसमेंट वाली 5 मंजिला इमारत ढहने से करीब 7 छात्रो की मौत हो गई थी, जबकि अनेकों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए निगम आयुक्त संजीव खिरवार ने सभी जोन उपायुक्तों को निर्देश दिए थे कि सभी जोन उपायुक्त अपने स्तर से क्षेत्रों में निरीक्षण कर पुरानी जर्जर और 5-6 बहूमंजिला इमारतों को चिन्हित कर उनपर तुरंत कार्रवाई करें, ताकि लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो सकें, निगम आयुक्त के आदेश का पालन करते हुए सभी जोन उपायुक्त अपने स्तर से अपने-अपने जोन कार्यालयों में भवन विभाग और मेंटेनेंस विभाग की टीम साथ बैठक कर संबंधित अधिकारियों सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अवैध निर्माण कार्यों पर नजर बनाए रखें। साथ ही उन अवैध निर्माण कार्यो तुरंत कार्रवाई करें और अगर किसी भी अधिकारी ने काम करने में लापरवाही दिखाई, तो उन अधिकारियों पर विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

पानीपत के गांव बांध में रास्ता रोककर लाठी-डंडों से चोट मारने के पांच आरोपी गिरफ्तार

पानीपत

इसराना पुलिस ने गांव बांध के खेतों में दो युवकों का रास्ता रोककर लाठी-डंडों से चोट मारने के मामले में पांच आरोपियों को वीरवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव बांध निवासी विकास, मुकेश, रविंद्र, रोकी व मनीष के रूप में हुई है।

थाना इसराना प्रभारी इंस्पेक्टर हरिराम ने बताया कि गांव बांध निवासी अमित पुत्र जगत सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 29 अगस्त को वह अपने दोस्त अनिल के साथ प्लाट में चारपाई पर बैठा हुआ था। इसी दौरान धर्मबीर उर्फ बिट्टू, विकास, शंकर व मनीष दो बाइकों पर सवार होकर वहां आए। उन्हें देखकर वह और अनिल चारपाई से उठकर खेतों की तरफ चले गए। आरोपियों ने दोनों का पीछा किया और खेत में पहुंचकर गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी रोकी, अंकित, मुकेश, सतेंद्र, अजय, रवि, सुशील व विनोद ने उन दोनों को घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर चोटें मारी। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें आता देखकर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी